News सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-303
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपया

आज का विचार

तथ्य तथ्य हैं और आपकी पसंद के कारण गायब नहीं होंगे।-
जवाहर लाल नेहरू

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 05 फरवरी 2024

चंपई सरकार का फ्लोर टेस्ट कुछ देर में, अभिभाषण जारी,हेमंत की गिरफ्तारी पर ED 9 फरवरी को जवाब देगी, हाईकोर्ट में 12 को सुनवाई

झारखंड के नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की आज सोमवार को अग्निपरीक्षा है। रांची में विधानसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हो चुकी है। पहले राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का अभिभाषण होगा। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ईडी कस्टडी से विधानसभा पहुंचे हैं। वे फ्लोर टेस्ट में वोट करेंगे। 81 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 41 है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस ने फ्लोर टेस्ट के लिए अपने विधायकों को व्हिप जारी किया है। 31 जनवरी को हेमंत सोरेन ने गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। जिसके बाद चंपई सोरेन के हाथ में सत्ता की बागडोर आई। सत्तासीन झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने रविवार शाम अपने विधायकों को हैदराबाद से रांची वापस बुलवाया। ऑपरेशन लोटस के डर से जेएमएम, कांग्रेस और लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल के विधायकों को कांग्रेस शासित राज्य तेलंगाना भेज दिया गया था। आरोप लगाए गए हैं कि कुछ विधायकों से भाजपा ने संपर्क किया था।

लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियां भी बॉर्डर्स को बाधा न समझें

अपराध और अपराधी सरहदों को नहीं मानते: गृह मंत्री शाह

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अपराध और अपराधी भौगोलिक सीमाओं को नहीं मानते हैं, इसलिए लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों को भी इन बॉर्डर्स को बाधा नहीं मानना चाहिए। एजेंसियों को इन बॉर्डर्स को अपराध का हल निकालने के लिए मीटिंग पॉइंट के तौर पर देखना चाहिए। शाह ने ये बात दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन - कॉमनवेल्थ अटॉर्नीज एंड सॉलिसिटर जनरल कॉन्फ्रेंस में कहीं। उन्होंने कहा कि जैसे ही तीन नए क्रिमिनल जस्टिस लॉ देश में लागू हो जाएंगे, तो हर व्यक्ति को FIR दर्ज कराने के तीन साल के अंदर हाईकोर्ट के स्तर तक न्याय मिलेगा। अपराधों से लड़ने के लिए सरकार को नया सिस्टम बनाना होगा अमित शाह ने कहा कि मौजूदा समय में व्यापार और अपराध के चलते अब भौगोलिक सीमाएं अप्रासंगिक हो गई हैं। ऐसे में

हमें व्यापार में झगड़ों और अपराध से डील करने के लिए हमें कोई नया सिस्टम और परंपरा शुरू करनी होगी। उन्होंने कहा कि सरकारों को इस दिशा में काम करना चाहिए, क्योंकि छोटे से साइबर फ्रॉड से लेकर ग्लोबल ऑर्गेनाइज्ड क्राइम तक, स्थानीय झगड़ों से लेकर बॉर्डर पार विवादों तक और स्थानीय अपराधों से लेकर आतंकवाद तक सभी किसी न किसी तरह से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। नए कानून लागू होते ही भारत के पास सबसे आधुनिक क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम होगा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य कानून के बारे में बताते हुए गृह मंत्री ने कहा कि इन कानूनों के लागू होते ही भारत के पास दुनिया का सबसे आधुनिक क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम होगा। ये तीन कानून ब्रिटिश काल के इंडियन पीनल कोड, कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर और इंडियन एविडेंस एक्ट, 1872 की जगह लेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने ऐसे मॉडल पर काम किया है, जहां न्याय में ये तीन चीजें शामिल होंगी- एक्सेसेबल, अफोर्डेबल और अकाउंटेबल।

मध्य प्रदेश में हर विधानसभा क्षेत्र में संयोजक, प्रभारी-सह प्रभारी बनाएगी भाजपा

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारी को लगातार दूसरे दिन रविवार को भी प्रदेश भाजपा कार्यालय में बैठक का दौर चला। भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में लोकसभा चुनाव की दृष्टि से प्रत्येक विधानसभा का संयोजक नियुक्त किए जाने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही विधानसभा प्रभारी और सह प्रभारी भी बनाए जाएंगे। विधानसभा चुनाव में जीते और हारे दोनों ही प्रत्याशियों को संयोजक, प्रभारी और सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी जाएगी।वहीं बड़े नेताओं वाली सीटों पर वरिष्ठ पदाधिकारी को संयोजक और प्रभारी बनाया जाएगा। इसी तरह मंडल और बूथ स्तर पर भी प्रभारी सह प्रभारी और संयोजक बनाए जाएंगे। प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई कोर ग्रुप की बैठक में चुनाव अभियान को लेकर मंथन हुआ। दीवार लेखन से लेकर गांव चलो अभियान और नव मतदाताओं को पार्टी से जोड़ने सहित हारे बूथ को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डा. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी

सतीश उपाध्याय सहित कोर ग्रुप के पदाधिकारी उपस्थित थे। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मध्य प्रदेश में दौरे होंगे। इसको लेकर रणनीति तय की गई।

विस चुनाव लड़ने वाले सांसदों की रिक्त सीटों पर भी हुई चर्चा

भाजपा ने सात सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ाया था। सांसदों के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद रिक्त हुई पांच लोकसभा सीटों को लेकर भी चर्चा हुई। इनमें मुरैना, सीधी, जबलपुर, होशंगाबाद और दमोह लोकसभा सीट पर भाजपा को प्रत्याशी उतारना है। इसके अलावा लंबे समय से कांग्रेस के कब्जे वाली संसदीय सीट छिंदवाड़ा को लेकर भी कोर ग्रुप की बैठक में मंथन हुआ।

नीमच: शराब कारोबारी पर दिनदहाड़े फायरिंग जवाबी फायरिंग में एक हमलावर की मौत

भोपाल। मप्र के नीमच जिला मुख्यालय पर दिन दहाड़े एक शराब कारोबारी पर जानलेवा हमला हो गया। यहां के प्रसिद्ध समाजसेवी और शराब कारोबारी अशोक अरोरा पर कार सवार लोगों ने फायरिंग कर दी, जिसमें वे घायल हो गए। वहीं, जवाबी फायरिंग में एक शूटर को गोली लगी। उसे अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना रविवार शाम करीब 4.30 बजे की है। बताया जा रहा है कि नीमच निवासी शराब कारोबारी अशोक अरोरा अपने ऑफिस से अपनी कार से घर की ओर जा रहे थे। तभी केंट थाना क्षेत्र स्थित लायंस पार्क के पास

सामने से आर रही कार (क्रेटा) में सवार लोगों ने उनकी कार पर फायरिंग शुरू कर दी। इसमें वे घायल हो गए। जवाब में अशोक अरोरा की ओर से भी फायरिंग की गई, जिसमें एक शूटर को गोली लगने से वह कार से नीचे गिर गया। जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का नाम बाबू मजहर उर्फ बाबू फकीर बताया जा रहा है। वहीं दो अन्य आरोपित फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर एसपी अमित तोलानी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। एसपी तोलानी ने बताया शराब कारोबारी अशोक अरोरा पर फायरिंग की गई, जिसमें वे घायल हुए हैं। वहीं जवाबी फायरिंग में एक की मौत हुई है। पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ये पता करने में जुटी है कि हमलावर कौन थे और उन्होंने हमला क्यों किया।

छगन भुजबल का इस्तीफा मैंने या सीएम ने स्वीकार ही नहीं किया: उप मुख्यमंत्री फडनवीस

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों काफी सुर्खियों में है। पहले मराठा आंदोलन के कारण तो अब कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल के कारण। उद्धव गुट के सांसद के दावे को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री ने खारिज कर दिया है। सांसद ने दावा किया था कि भुजबल और भाजपा नेता आपस में मिले हुए हैं। इसी के साथ उप मुख्यमंत्री ने उन दावों को भी खारिज कर दिया है कि छगन भुजबल ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस शनिवार को एक सार्वजनिक रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत के उन बयानों को खारिज किया, जिसमें राउत ने दावा किया कि भाजपा और भुजबल एक साथ हैं। दोनों एक-दूसरे से मिले हुए हैं। साथ ही उन्होंने भुजबल के दावों को नकारते हुए कहा कि मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस मुद्दे पर अच्छे तरह से स्पष्टीकरण दे सकते हैं। हालांकि, मैं इतना साफ कर सकता हूं कि न तो मैंने और न ही सीएम शिंदे ने उनके इस्तीफे को स्वीकार किया है।

क्या बोले थे छगन भुजबल

महाराष्ट्र के अहमदनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए भुजबल ने शनिवार को साफ किया कि वह मराठों को मिलने वाले आरक्षण का विरोध नहीं कर रहे हैं। वह मौजूदा ओबीसी कोटा साझा करने के खिलाफ हैं। रैली में भुजबल ने कहा कि विपक्ष के कई नेता, यहां तक कि मेरी सरकार के नेता भी कहते हैं कि मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए। किसी ने कहा कि भुजबल को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं विपक्ष और अपनी पार्टी के नेताओं को बताना चाहता हूं कि 17 नवंबर को अंबाद में आयोजित ओबीसी एल्गार रैली से पहले ही मैंने 16 नवंबर को कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद ही उस कार्यक्रम में शामिल होने गया था। मुझे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने इस बारे में शांति बरतने के लिए कहा था। मैंने अपना इस्तीफा दे दिया है। मैं अंत तक ओबीसी के लिए लड़ूंगा। जरांगे ने भुजबल पर साधा निशाना जालना के अंतरवाली सराती गांव में मीडिया से बात करते हुए जरांगे ने कहा वे (भुजबल) कुछ नहीं समझते। ये कानून है, एक सरकार है और पढ़े-लिखे लोगों की समिति इस पर काम कर रही है, लेकिन भुजबल अपनी ही सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। वह डिप्टी सीएम फडणवीस और अजित पवार को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि भुजबल चाहते हैं कि लोग भूख से मर जाएं फिर चाहे वो मराठा हों या फिर किसी अन्य जाति के। पिछड़े वर्ग को समझना चाहिए और भुजबल का साथ नहीं देना चाहिए। जरांगे ने दावा किया 'भुजबल जिस पार्टी में रहते हैं, उसे ही नुकसान पहुंचाते हैं। अगर वे इस्तीफा देना चाहते हैं तो दे दें, लेकिन मराठा आरक्षण के खिलाफ न बोलें। संजय राउत ने भुजबल के इस्तीफे की बात को बकवास करार दिया है।

अस्पताल की आया यशोदा निकली बच्चा बेचने वाले गिरोह की मास्टरमाइंड, पैसों के लिए करती थी गर्भ में पल रहे शिशुओं का सौदा

रायपुर। राजधानी के सिविल लाइंस थाना की पुलिस ने दूधमुंहे बच्चे की खरीद-फरोख्त करने के आरोप में तीन महिला और तीन पुरुष को गिरफ्तार किया है। गर्भवती महिलाओं की तस्वीर भी इनके फोन में मिली है। इससे पुलिस को अंदेशा है कि यह फोटो दलालों को भेजकर गर्भस्थ बच्चों का सौदा करते हैं। उनमें से कई के बच्चा खरीद फरोख्त करने के पुराने रिकार्ड भी पुलिस को मिले हैं। पुलिस उन लोगों के रिकार्ड तस्दीकी करने की बात कह रही है।उल्लेखनीय है कि कि कलेक्ट्रेट के पास बच्चा गोद लेने फर्जी गोदनामा तैयार करने पहुंची यशोदा नायक और सुशीला नायक को गिरफ्तार किया। उनके निशानदेही पर पुलिस ने दुर्ग निवासी नीलकंठ साहू, सरस्वती साहू, योगेश साहू और दिलीप साहू को गिरफ्तार किया। यशोदा शंकर नगर स्थित एक निजी अस्पताल में आया का काम करती है। पुलिस सुशीला व यशोदा को घटना का मास्टर माइंड बता रही है। आरोपितों से पुलिस ने

शनिवार को दिन भर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपित बार-बार बयान बदल रहे हैं।

गरीब और पड़ोसियों को बच्चा बेचने करते थे प्रेरित

पुलिस के अनुसार बच्चा बेचने के आरोप में जो लोग पकड़े गए हैं, वे अपने ऐसे करीबी को देखते थे, जो आर्थिक रूप से कमजोर हों। इसके अलावा उनके दो से ज्यादा बच्चे होते थे, उन्हें पैसों की लालच देकर बच्चा बेचने के लिए प्रेरित करते थे। बच्चा बेचने राजी होने के बाद आरोपित ग्राहक तलाशते थे। इसके लिए वाट्सएप ग्रुप बनाकर रखा था। बच्चे के स्वजनों को एक से डेढ़ लाख रुपये देने की बात करते थे। वहीं, खरीदार को पांच से सात लाख रुपये में बेचने की बात होती थी।

आया ढूंढती थी जरूरतमंद परिवार: यशोदा नायक महिला प्रसूती गृह में काम करती थी। प्रसूती गृह में कई ऐसे दंपती जिनका बच्चा नहीं हो रहा है, उनको अपने झांसे में लेती थी। इसके बाद वो उन्हें बच्चा गोद लेने के लिए प्रेरित करती थी। दंपती के राजी होने के बाद वह उन्हें सुरक्षित तरीके से बच्चा गोद दिलवाने के लिए पूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर गोदनामा तैयार कर बच्चा दिलवाने का आश्वासन देती थी। इसके बाद वह गिरोह से जुड़े अन्य लोगों से संपर्क कर दूधमुंहे और नवजात बच्चा बेचने के लिए मां-बाप तलाशते थे। वहीं, अब पुलिस यशोदा जिस अस्पताल में काम करती थी वहां पर भी जांच करेगी। इसके साथ ही यह भी देख रही है कि वह कब से काम पर है। कहीं वहां से बच्चों चोरी जैसी घटनाएं तो नहीं हुई हैं।

मोबाइल से डेटा डिलीट: आरोपितों ने मोबाइल फोन से डेटा डिलिट कर दिया है। पुलिस उसे रिकवर कर रही है। आरोपितों के मोबाइल के कांटेक्ट लिस्ट में राज्य के अलावा ओडिशा और महाराष्ट्र के कुछ संदिग्ध लोगों के नाम मिले हैं। पुलिस लिस्ट अब पड़ताल करने की बात कह रही है। कांटेक्ट लिस्ट में जो नाम मिले हैं आरोपित उन नामों को अपने स्वजन तथा करीबी का होना बता रहे हैं, लेकिन पुलिस को उनकी बातों पर यकीन नहीं है।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

राज्यसेवा मुख्य परीक्षा करवाने की जल्दी, आज छात्र देंगे धरना

परीक्षा और परिणामों में लेटलतीफी के लिए बदनाम मप्र लोकसेवा आयोग (एमपीपीएससी) अब परीक्षा में जल्दबाजी के लिए निशाने पर है। एमपीपीएससी ने राज्यसेवा मुख्य परीक्षा 2023 11 मार्च से करवाने की घोषणा की है। तारीख घोषित होते ही अभ्यर्थियों में असंतोष फैल गया है। सोमवार दोपहर अभ्यर्थी आयोग मुख्यालय के बाहर धरना देंगे। अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग तैयारी के लिए नियमानुसार न्यूनतम 90 दिन का समय भी नहीं दे रहा।अभ्यर्थी न केवल परीक्षा के लिए पर्याप्त समय मांग रहे हैं बल्कि वे पीएससी की अन्य अनियमितताओं के खिलाफ भी आवाज उठा रहे हैं। आयोग बीते समय से मुख्य परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाएं परीक्षार्थियों को ही नहीं दिखा रहा है। साथ ही कुछ अन्य बिंदुओं को भी प्रदर्शन के दौरान सामने रखा जाएगा। सोमवार दोपहर 2 बजे से अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन शुरू होगा। इससे पहले ही आयोग के बाहर पुलिस की तैनाती कर दी गई है। इस बीच एमपीपीएससी ने राज्यसेवा-2023 में सिर्फ 229 पद घोषित किए हैं। पदों की संख्या का बीते वर्षों में तुलना की जाए तो करीब डेढ़ दशक में इतने कम पद घोषित नहीं हुए। क्योंकि पदों की संख्या कम है इसलिए प्रतिस्पर्धा भी कड़ी हो गई है। प्रारंभिक परीक्षा में भी कटआफ काफी ऊंचा रहा। प्रारंभिक परीक्षा में दो लाख 20 हजार में से सिर्फ 5589 अभ्यर्थियों को ही मुख्य परीक्षा के लिए मुख्य सूची में चयनित किया गया। प्रावधिक सूचियों को जोड़ दे तो लगभग 5700 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा तक पहुंचने में कामयाब हुए हैं। अभ्यर्थियों में असंतोष मुख्य परीक्षा में जो सफल होगा वो अब इंटरव्यू के अंतिम दौर में पहुंचेंगे। ऐसे में अभ्यर्थियों में असंतोष है कि आयोग उन्हें तैयारी का समय नहीं देना चाह रहा। दरअसल राज्यसेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट 18 जनवरी को घोषित हुआ है। आयोग यदि 11 मार्च को परीक्षा करवाता है तो अभ्यर्थियों के प्रारंभिक परीक्षा के बाद 60 दिन भी तैयारी के लिए नहीं मिल रहे। जबकि एमपीपीएससी हमेशा से दावा करता रहा है कि नियमानुसार प्रारंभिक परीक्षा के बाद मुख्य परीक्षा के लिए कम से कम 90 दिन या उससे अधिक का समय दिया जाता है। अभ्यर्थी सवाल उठा रहे हैं कि बीते वर्षों की परीक्षा तो 7-8 महीनों के अंतराल से ली गई थी। इस वर्ष आखिर आयोग को जल्दबाजी क्यों है कि वो समय नहीं देना चाहता। उल्लेखनीय है कि यदि मुख्य परीक्षा की प्रक्रिया होने से पहले शासन राज्यसेवा में पद बढ़ा देता है तो उन्हें भी जोड़ा जा सकेगा। ऐसे में अभ्यर्थियों को राहत भी मिलेगी। बीते समय अभ्यर्थियों ने आयोग के सामने परीक्षा के लिए समय देने की मांग रखी थी। हालांकि दो दिन पहले हुई आयोग की बैठक में इस पर चर्चा नहीं हुई। आयोग के सचिव प्रबल सिपाहा ने परीक्षा की तारीख बढ़ाने की संभावना से इनकार कर दिया। इससे अभ्यर्थी गुस्साए है।

इंदौर में रात का तापमान 16.4 डिग्री पर पहुंचा, बढ़ी गर्मी

पश्चिम विक्षोभ और दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर हवाओं का घेरा बना है। इससे तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। दिन के साथ ही रात में भी गर्मी का अहसास होने लगा है। सोमवार को इंदौर और आसपास के मौसम का मिजाज पुरी तरह बदल गया। गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों ने घरों में पंखे लगाए।बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 1.2 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा। पारा 16 डिग्री से ऊपर पहुंच गया। सोमवार सुबह दिनभर धूप निकली। दृश्यता शाम साढ़े पांच बजे तक तीन हजार मीटर तक रही। अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से पांच डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम विक्षोभ का असर अगले दो दिन और रहेगा।

आज का तापमान *रविवार को पश्चिम-दक्षिण पश्चिम दिशा से हवा ने मौसम का मिजाज बदल दिया। दिन में धूप निकली। इससे तापमान बढ़कर 30 डिग्री से पार पहुंच गया। अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा आठ किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। विशेषज्ञ के मुताबिक पश्चिम विक्षोभ खत्म होने में दो दिन का समय लगेगा। उसके बाद तापमान नीचे आएगा।*

पर्यावरण पर बनी फिल्म का होगा प्रदर्शन, मंदिर के नवनिर्माण के लिए भूमिपूजन

इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के आयोजन 5 जनवरी को होंगे। इसमें शहर के पश्चिम क्षेत्र में नाम-जप परिक्रमा निकलेगी। प्राचीन गुरु रविदास मंदिर के नवनिर्माण के लिए भूमिपूजन भी होगा। इसके अलावा श्री गुरु सिंघ सभा के चुनाव में नामंकन फार्म की जांच की जाएगी। फिल्म फेस्टिवल में पर्यावरण पर आधारित फिल्म देख सकेंगे और चित्रकला प्रदर्शनी भी आपके दिन को खास बना सकती है। शहर के पश्चिम क्षेत्र स्थित लक्ष्मी-वेंकटेश देवस्थान छत्रीबाग में नाम-जप परिक्रमा सुबह 7.15 बजे निकलेगी। इस अवसर पर पर भगवान की आरती और श्रृंगार दर्शन भी होंगे। इस अवसर पर वैष्णवजनों का मेला लगेगा।- अगर आप अपने दिन को विशेष बनाना चाहते है तो कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय पहुंच जाएं। यहां सुबह 9 बजे से आप वन्य प्राणियों को देखने का आनंद ले सकते हैं। यहां शेर, बाघ, के अलावा स्नेक्स हाउस में सांप की कई प्रजातियां और पक्षी विहार में देश-विदेश के रंग-बिरंगे पक्षियों को निहार सकते हैं।

सपनों के फूलों को खिलने से पहले ही मुरझाने से रोकना होगा 'सरकार'

सिटी चीफ इंदौर

मध्य प्रदेश में शासकीय सेवाओं के लिए परीक्षाओं के भंवरजाल में उलझे युवाओं की स्थिति 'न निगल सकते हैं न उगल सकते हैं' कि हो रही है। बीते पांच सालों प्रदेश के प्रतिष्ठित राज्य लोकसेवा आयोग सहित कई परीक्षाओं का कैलेंडर बुरी तरह गड़बड़ा गया है। न परीक्षाएं समय से हो रही हैं न परिणाम समय से आ रहे हैं। महीनों-सालों से तैयारी कर अपने उज्जवल भविष्य का स्वप्न देख रहे परीक्षार्थियों का धैर्य लंबे होते इस इंतजार से जवाब देने लगा है। व्यवस्था से बेहद नाराज परीक्षार्थियों का दर्द यही है कि दावे और वादों की फेहरिस्त के बीच उनके भविष्य की चिंता जिम्मेदारों को नहीं है।पीएससी की 2019 और 2020 की राज्य सेवा परीक्षा से चयनित उम्मीदवारों की नौकरी की राह 2024 में प्रशस्त हुई। लेकिन असमंजस यहां भी युवाओं को परेशान किए हुए हैं। दरअसल इन परीक्षाओं में आरक्षण सहित अन्य विसंगतियों को लेकर दायर की गई याचिकाएं अभी कोर्ट में लंबित हैं। कोर्ट ने कुछ याचिकाओं का निराकरण करते हुए यह व्यवस्था भी दे दी थी कि इन परीक्षाओं के अंतिम परिणाम न्यायालय के अंतिम निर्णय के आधीन रहेंगे।लेकिन सरकार ने उसके बाद भी प्राविधिक सूची को ही अंतिम मानकर नौकरियों के लिए नियुक्तिपत्र जारी कर दिए। अब एक बार फिर

विरोध के स्वर गूंजने लगे हैं।

राज्य सेवा परीक्षा में कई बार देरी

मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं में देरी का यह इकलौता उदाहरण नहीं है। सहायक जिला लोक अभियोजक अधिकारी(एडीपीओ) परीक्षा का किस्सा भी कुछ इसी तरह का है। 2015 के बाद 6 साल से इंतजार कर रहे उम्मीदवारों के लिए पीएससी ने 2021 में एडीपीओ परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया। 22 दिसंबर 2022 को आयोग ने परीक्षा करवाई। 2023 में परिणाम घोषित होने के बाद आरक्षण का पेंच आ जाने की वजह से साक्षात्कार के लिए परीक्षार्थियों को एक वर्ष से भी अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा।

अब जाकर पीएससी ने साक्षात्कार की तारीख तय की है। इस देरी से युवा बेहद निराश हैं। कड़ी मेहनत, दिन-रात एक कर भविष्य निमार्ण की तैयारी में जुटे युवा परीक्षा में तय उम्र की दहलीज पर आ खड़े हुए हैं लेकिन भविष्य की राह अब भी उन्हें अवरुद्ध ही नजर आ रही है। विवाद होते रहे हैं इसे तंत्र की बड़ी विफलता कहा जाए या संवैधानिक संस्थाओं की कमजोरी कि विशेषज्ञों की लंबी-चौड़ी टीम होने के बावजूद एक ही तरह की समस्याओं और विवादों से पीएससी सहित अन्य एजेंसियों को बार-बार जूझना पड़ रहा है। हैरानी इस बात को लेकर भी है कि इन मुद्दों का कोई हल निकालने को लेकर गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते। राज्य सेवा 2023 की मुख्य परीक्षा जल्दी आयोजित करवाने के लिए पीएससी ने परिणाम के साथ तारीख तो घोषित कर दी लेकिन इस पर भी नया विवाद खड़ा हो गया। मुख्य परीक्षा 11 मार्च को होने की सूचना के साथ ही परीक्षार्थियों ने यह कहकर विरोध शुरू कर दिया कि परीक्षा की तैयारी के लिए नियमानुसार कम से कम 90 दिन मिलना चाहिए लेकिन पीएससी के शेड्यूल के अनुसार 60 दिन भी नहीं मिल रहे। नियमों की अस्पष्टता और आरक्षण संबधी मामलों को लेकर उलझनें इतनी अधिक बढ़ गई हैं कि हर परीक्षा के दौरान ही पीएससी सहित अन्य एजेंसियों को नए-नए विवादों का सामना करना पड़ता है। भविष्य की बाट जोह रहे युवा इस बात से भी खासे नाराज हैं कि बीते विधानसभा चुनाव के दौरान बार-बार राजनीतिक दलों की और से युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों में बंपर भर्ती के दावे किए गए। लेकिन नई सरकार बनने के बाद ये दावे और वादे नजर नहीं आ रहे। 'सरकार' के जिम्मेदार इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे कि लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती एजेंसियां सिर्फ चयन के लिए अधिकृत हैं। नीतियों के मामले में तो उन्हें सरकार के नियमों और निर्देशानुसार ही कार्य करना होता है। लेकिन बावजूद इसके न्यायालय के सवालों के घेरे में और युवाओं के आरोपों के घेरे में ये एजेंसियां ही हर बार होती हैं। प्रक्रिया पारदर्शी फिर क्यों लग रहे आरोप यहां यह सवाल भी सामने है कि भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया को पूर्णत: पारदर्शी होने का दावा जिम्मेदार करते हैं लेकिन इसके बाद भी गड़बड़ी के आरोपों के बीच परिणाम पर ही रोक लगाना पड़ जाती है। मध्य प्रदेश पटवारी भर्ती परीक्षा 2023 के दौरान ऐसा ही कुछ हुआ। इस परीक्षा के माध्यम से नौ हजार पदों पर भर्ती होना थी। परीक्षा आयोजित कर परिणाम भी जारी कर दिए गए, लेकिन घोटालों के आरोप लगने और पूरी प्रक्रिया पर ही परीक्षार्थियों द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद इस पर रोक लगा दी गई। तब से पूरा मामला ठंडे बस्ते में है। उधर परीक्षा देकर भविष्य की राह तक रहे हजारों हजार युवा असमंजस में है कि परिणाम के लिए रुकें या किसी नए क्षेत्र के लिए प्रयास शुरू करें। सवाल यह भी है कि बीते पांच सालों से युवाओं के सपनों के फूल आखिर कब तक खिलने से पहले ही मुरझाते रहेंगे। युवाओं के भविष्य का यह महत्वपूर्ण समय इस तरह जाया होजाने की भरपाई आखिर कौन करेगा। उनके अधूरे रह गए सपनों की जिम्मेदारी कौन लेगा। शासन स्तर पर इस समस्या की गंभीरता को समझना होगा। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि तंत्र इस समस्या के प्रति जवाबदेह और गंभीर हो ताकि अव्यवस्था की चौखट पर अब और युवाओं के सपने दम न तोड़ें।

64 किमी लंबे पश्चिमी रिंग रोड में जितनी दूरी तय करेंगे, उतना ही लगेगा शुल्क

सिटी चीफ इंदौर

बढ़ते इंदौर में यातायात को लेकर बड़ी समस्या है। इससे निजात पाने के लिए अब नया रिंग रोड बनाने की कवायद शुरू हो चुकी है। वाहनों को शहर में प्रवेश न देते हुए बाहर से निकाला जाएगा। पश्चिमी रिंग रोड के निर्माण को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) नया प्रयोग करने में लगा है।खास बात यह है कि 64 किमी लंबे रिंग रोड पर वाहन जितनी दूरी तय करेंगे, चालकों को उतना ही शुल्क देना होगा। इसके लिए पूरे मार्ग को आठ से दस स्थानों से जोड़ा जाएगा। यहां सेंसर संचालित बूथ बनाए जाएंगे। रिंग रोड पर वाहन आते ही कैमरों के माध्यम से स्कैन किया जाएगा। शुल्क फास्टैग से काटेंगे। अधिकारियों के मुताबिक यह पहली ऐसी सड़क होगी, जिसमें टोल प्लाजा नहीं होगा। बूथ के माध्यम से शुल्क लिया जाएगा।

पश्चिमी रिंग रोड का निर्माण एनएचएआइ दो टुकडों में करने वाला है। 34 किमी रामपुर से हातोद और 30 किमी हातोद से क्षिप्रा के बीच सड़क बनाई जाएगी। पूरे मार्ग को बनाने में 538 हेक्टेयर

भूमि की जरूरत है। इंदौर जिले में आने वाली पांच तहसीलों के 47 गांवों से सड़क निकलेगी। 200 से ज्यादा किसानों की जमीन रिंग रोड बनाने में आ रही है। राजस्व विभाग जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया कर रहा है। जनवरी में टेंडर निकालने के साथ ही एनएचएआइ ने मार्ग से संबंधित दावे-आपत्तियां बुलवाई हैं। अधिकारियों के मुताबिक मार्च में टेंडर खुले जाएंगे। निर्माण कार्य अगले दो-तीन महीनों में शुरू होगा। किसान कर रहे विरोध 64 किमी के रिंग रोड को बनाने में किसानों की जमीन सबसे ज्यादा आ रही है। यही वजह है कि विरोध करने वालों में किसानों की संख्या अधिक है। किसान जमीन के बदले तीन से चार गुना मुआवजे की राशि मांग रहे हैं। कुछ किसानों ने जमीन देने से साफ मना कर दिया है। वे न्यायालय की शरण ले सकते हैं।

एक लाख घरों में पालतू श्वान, पंजीयन सिर्फ 700

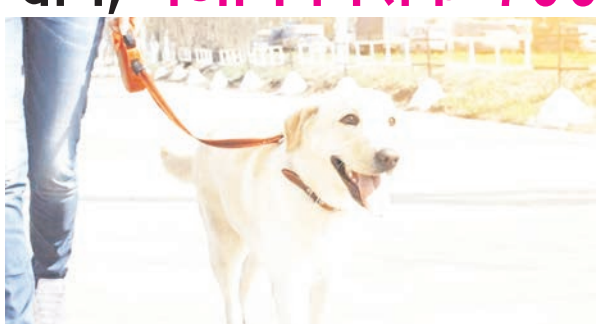

सिटी चीफ इंदौर

श्वानों का आतंक सिर्फ शहर की सड़कों पर ही नहीं है, इस दर्द से बहुमंजिला इमारतों से लेकर कालोनियों और टाउनशिप में रहने वाले लोग भी पीड़ित हैं। रहवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोग पालतू श्वानों द्वारा काटने, हमला करने, बच्चों पर लपकने जैसी शिकायतें करते हैं। शहर में कई अपार्टमेंट और कालोनियां ऐसी भी हैं, जहां श्वान रखने पर पाबंदी लगा दी है। नियमानुसार घरों में श्वान पालने वालों को नगर निगम में अनिवार्य रूप से पंजीयन करवाना चाहिए। श्वानों को रैबीज के टीके लगाने के बाद उनका पंजीयन प्रतिवर्ष करवाने की बाध्यता है।जानकारों के मुताबिक इंदौर में एक लाख से अधिक श्वान घरों में पाले जा रहे हैं। हकीकत यह है कि इस वर्ष मजह 700 लोगों ने पालतू श्वानों का निगम में पंजीयन करवाया है। इंदौर में पालतू पशुओं की 40 से 50 बिक्री की दुकाने हैं। इनसे हर वर्ष करीब 800 से एक हजार पालतू श्वानों की बिक्री की जाती है। इंदौर में 20-25 लाख रुपये का वार्षिक कारोबार श्वानों की खरीदी-बिक्री का होता है। बेहद आक्रामक और गुस्सैल स्वभाव के श्वान भी पाल रहे स्टेटस सिंबल के तौर पर लोग विदेशी नस्ल के ऐसे श्वान भी पाल रहे हैं, जो बेहद आक्रामक और गुस्सैल स्वभाव के होते हैं। विदेश में जिनके घरों में पालने पर प्रतिबंध है, लेकिन प्रदेश में कोई नियम नहीं होने से लोग आसानी से इन्हें ले आते हैं। आए दिन विवाद, लेकिन होता कुछ नहीं श्वान पालना व्यक्तिगत शौक हो सकता है, लेकिन यह किसी और की परेशानी का कारण नहीं बनना चाहिए। बहुमंजिला इमारतों में रहने वालों के लिए सोसायटी में ये नियम बोर्ड पर चस्पा होते हैं लेकिन इनका पालन नहीं होता। श्वानों के लिए निर्धारित सर्विस लिफ्ट के बजाय उन्हें पालने वाले सामान्य लिफ्ट से लाते-ले जाते हैं। ऐसी स्थिति में लिफ्ट में सवार होने वाले अन्य लोग परेशानी महसूस करते हैं। लिफ्ट में सहयात्री पर हमले की भी कई घटनाएं हो चुकी हैं। शिकायतें पुलिस और नगर निगम तक भी पहुंचीं, लेकिन हुआ कुछ नहीं। परिवार बाहर, श्वान फ्लैट में बंद, पूरा अपार्टमेंट परेशान बहुमंजिला इमारतों के रहवासी अक्सर यह शिकायत भी करते हैं कि श्वान पालने वाले लोग कहीं बाहर जाने की स्थिति में अपने श्वान को फ्लैट में बंद करके चले जाते हैं। 5-6 घंटे फ्लैट में बंद अकेला श्वान इतना शोर करता है कि आसपास के लोग परेशान होते रहते हैं। बगैर रजिस्ट्रेशन पालने पर एफआइआर का प्रविधान लेकिन पालन नहीं होता नियम श्वान को पालने के लिए अधिनियम है। नगर निगम सीमा में इस अधिनियम के तहत रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है। वह भी श्वान लाने के तीन दिन के भीतर। बगैर रजिस्ट्रेशन के श्वान पालने वालों के खिलाफ एफआइआर का प्राविधान है, लेकिन इस नियम का कहीं पालन नहीं होता। निगम में तो अब तक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ही शुरू नहीं हुई है। न ही नगर निगम के पास अब तक अपनी सीमा में पंजीकृत श्वानों की कोई संख्या उपलब्ध है।

एआइ की मदद से होगा कैंसर का इलाज

सही तकनीक से दी जा सकेगी असरदार दवाएं

सिटी चीफ इंदौर

आधुनिक उपचार, दवाइयां और थेरेपी की वजह से अब कैंसर आम बीमारी जैसे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज की तरह हो गया है। एक क्रानिक डिसीज की तरह कैंसर के मरीज भी जीवन भर कुछ दवाइयां लेकर एक सामान्य जीवन जी सकते हैं। जिन्हें देखकर कोई नहीं कह सकता कि वे कैंसर पीड़ित हैं। इससे अच्छा रिवार्ड कैंसर के मरीजों के लिए कुछ नहीं हो सकता।यह बात भोपाल से आए मेडिकल आंकोलाजिस्ट डा. श्याम अग्रवाल ने कैंसर रिसर्च एंड स्टेटिक्स फाउंडेशन के सहयोग से होटल सयाजी में आयोजित इनोवेशन इन आंकोलाजी 2024 एंड बियोंड दो दिवसीय कांफ्रेंस के समापन के दौरान रविवार को कही। कांफ्रेंस में अमेरिका से आए डा. इस्तेवान पेटाक ने कैंसर के इलाज में एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्रांतिकारी प्रयोग के बारे में जानकारी दी। कन्विनियर डा. राकेश तारन ने बताया कि इंदौर में भी 90 प्रतिशत तक कैंसर का इलाज उपलब्ध है। जरूरत है तो अधिक जागरूकता की जो पहले की तुलना में बढ़ी है और अब कैंसर अर्ली स्टेज में डिटेक्ट हो रहा है। कैंसर के इलाज में एआइ करेगा मदद डा. इस्तेवान ने बताया वर्ष 2039 में हम क्लीनिकल ट्रायल में दवाओं की तुलना नहीं कर रहे होंगे। हम एआइ द्वारा बनाई सही चिकित्सा एल्गोरिदम प्रणाली की तुलना कर रहे होंगे। जिससे मरीज को सही तकनीक से असरदार दवाएं दी जा सकें। आने वाला समय एआइ का है। 733 प्रकार के कैंसर जीन में से हर मरीज में अलग-अलग जीन कांबिनेशन होता है। मरीज में किस जीन का कांबिनेशन है, इसे पहचानने में अब एआइ हमारी मदद करेगा। एआइ में 10 हजार केस स्टडी और 34000 एल्गोरिदम बनाई गई है। जिससे कैंसर का सटीक इलाज किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कैंसर के इलाज में हम पूरी तरह से सफल अभी नहीं हुए हैं, लेकिन आने वाले समय में बेहतर इलाज संभव है। क्योंकि कई देशों में कैंसर मृत्यु दर में कमी आई है। व्यायाम से कैंसर का खतरा 50ब कम डा. इस्तेवान ने बताया स्टडी बताती है कि सप्ताह के पांच दिन आधा घंटा व्यायाम करने वालों में कैंसर का खतरा 50 प्रतिशत कम हो जाता है। व्यायाम के दौरान शरीर में मसल्स द्वारा एक ऐसा केमिकल प्रोड्यूस होता है जो कि कैंसर सेल की ग्रोथ को रोकता है। वहीं फूड हैबिट में कार्बोहाइड्रेट और मीट जैसी चीजों का सेवन करने से इन्सुलिन लेवल बढ़ता है। जो कैंसर का खतरा बन सकता है, रिसर्च कहती है शरीर में इन्सुलिन लेवल की अधिकता कैंसर होने के खतरों को बढ़ाती है। इसलिए ऐसे खाने का सेवन करना चाहिए, जिसे पचाने में कम से कम समय लगे।

5 वर्ष तक की उम्र के 72 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित फिर भी प्रदेश में जांच के लिए डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर तक नहीं

मध्य प्रदेश में स्वास्थ विभाग सिर्फ कागजों पर योजनाओं का क्रियान्वयन और आम आदमी को उसका लाभ मिलते दिखाता है मैदानी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने बीते महीनों में यह आदेश जारी किया था कि छह माह से 60 माह तक के बच्चों, पांच से 10 वर्ष के बच्चों और गर्भवती महिलाओं की डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर द्वारा एनीमिया की जांच कर, उन्हें शीघ्र इलाज दिया जाए।सभी एएनएम कार्यकर्ताओं को यह मीटर दिए जाने थे ताकि वह घर-घर जाकर मरीजों की पहचान कर सके। लेकिन एएनएम कार्यकर्ताओं को अभी तक यह मीटर भी विभाग उपलब्ध नहीं करवा पाया है। जांच और वास्तविक डाटा के आधार पर बच्चों और महिलाओं का इलाज तो दूर की बात है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक प्रदेश में लगभग 72 प्रतिशत पांच वर्ष तक की आयु के बच्चे, 58 प्रतिशत किशोर बालिकाएं(15 से 19 वर्ष) एवं 31 प्रतिशत किशोरवय बालक एनीमिया से ग्रसित है। विगत 10 वर्षों में मध्य प्रदेश में अधिकांश आयु वर्ग में एनीमिया के प्रतिशत की मात्रा में अत्यंत कम गिरावट आई है। स्थिति की गंभीरता देखकर शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही इसकी हर माह की रिपोर्ट भी जिले के अधिकारियों को देना है।

इंदौर के नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता के सामने ड्रग्स माफिया पर सख्ती और बिगड़ा ट्रैफिक नया चैलेंज

सिटी चीफ इंदौर

नए पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता ने कहा- शहर की जनता संवेदनशील है लेकिन वक्त के साथ-साथ लाइफ स्टाइल भी बदली है। शहर में बढ़ता नशे का कारोबार और बेतरतीब चलते वाहन बड़ी समस्या है।

दोनों परेशानियों से निपटना बड़ी चुनौती है।गुप्ता के मुताबिक चारों तरफ से खुला होने से शहर में अपराधी आसानी से आकर निकल जाते हैं, विशेषकर वाहन चोर। आयुक्त प्रणाली के बाद काफी बदलाव हुआ है। थानों की संख्या कम और अफसर अधिक हैं। इसका फायदा पुलिसिंग को मिलेगा। पुलिस की गुणवत्ता सुधारेंगे। प्रमुख समस्याओं से कैसे निपटा जाए इसकी योजना बनाई जाएगी। वर्तमान आयुक्त द्वारा चलाए जा रहे आपरेशन जारी रहेंगे 10 साल पूर्व डीआइजी रहे गुप्ता पुलिस कमिश्नर बनकर लौटे आइपीएस राकेश गुप्ता शहर के तीसरे पुलिस आयुक्त होंगे। सुलझे हुए अफसर गुप्ता संघ और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की पसंद भी माने जाते हैं। 1999 बैच के आइपीएस राकेश गुप्ता वर्ष 2013 में डीआइजी (शहर) भी रह चुके हैं। वर्ष 2017 में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए और आइजी प्रशासन (भोपाल), आइजी उज्जैन, एटीएस और इंटेलिजेंस भी रहे। आयुक्त प्रणाली के पश्चात गुप्ता ग्रामीण आइजी की कमान संभाले हुए थे। लगभग 10 साल बाद पुन: पुलिस कमिश्नर बनकर लौटे हैं।

डा. महेंद्र सिंह मंत्रियों से बोले- लोकसभा चुनाव सामने हैं, सरकार की योजनाओं को नीचे तक ले जाएं

सिटी चीफ भोपाल

लोकसभा चुनाव सामने हैं। मंत्रिमंडल की चुनाव में अहम भूमिका होगी। मंत्री अपने -अपने विभाग की योजनाओं को नीचे तक लेकर जाएं, अधिक से अधिक समय जनता के बीच गुजारें। जिले से लेकर बूथ तक चुनाव प्रबंधन को मंत्री स्वयं लीड करें। यह बात रविवार को लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डा. महेंद्र सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में दो दिवसीय लीडरशिप समिट के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कही ।उन्होंने पिछले लोकसभा चुनावों में भाजपा की तैयारियों और चुनावी अनुभव साझा किए। वहीं, चुनाव जीतने की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण भी मोहन मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया। लीडरशिप समिट में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव सहित वरिष्ठ मंत्रियों ने नए मंत्रियों को विभाग चलाने के गुर भी सिखाए। मुख्यमंत्री ने समिट को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सुशासन की दिशा में सभी विभागों को मिलकर कार्य करना चाहिए। सुशासन की दिशा में मध्य प्रदेश अपनी नई पहचान बनाए इसके लिए कार्ययोजना बनाकर उपलब्धि प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांतों पर चलकर प्रदेश विकास पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि अपने व्यवहार में शासन की मर्यादा का ध्यान रखना जरूरी है। अपने जीवन में बदलाव लाएं, अपने विभाग में प्रबोधन और नवाचार के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर क्रियान्वित करें। लोगों के व्यक्तिगत जीवन में बदलाव लाने के लिए नवाचार करते रहने से सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती है। लीडरशिप समिट के दूसरे सत्र में डा. विनय सहस्त्रबुद्धे ने अन्य भाजपा संचालित राज्य सरकारों की सफल योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने गुजरात के बड़ोदरा में शुरू की गई जन-विश्वास बस योजना, केनाल टाप सोलर प्रोजेक्ट, शाला प्रवेश उत्सव, अहमदाबाद का बीआरटीएस, उत्तर प्रदेश का नकलमुक्त प्रदेश अभियान, एक जिला-एक उत्पाद योजना, हरियाणा की परिवार पहचान-पत्र योजना, महाराष्ट्र की जलयुक्त शिवार योजना, गोवा की स्वयं पूर्ण योजना और राजस्थान की अंत्योदय योजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने गोवर्धन योजना पर भी चर्चा की। एसोसिएट मैनेजर कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन श्वेता सिंह ने सतत विकास लक्ष्य एवं मिशन कर्मयोगी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिशन का उद्देश्य है कि सिविल सेवक वेतनभोगी नहीं, कर्मयोगी बनें। उन्होंने कहा कि नियम आधारित के स्थान पर भूमिका आधारित प्रणाली विकसित हो। उन्होंने आइ-गाट विशेष प्रयोजन वाहन के बारे में भी बताया। मंत्रियों को विभागीय कार्यप्रणाली को अच्छे से समझना चाहिए ः तोमर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मंत्रीगण विधानसभा में दिए आश्वासनों को प्रतिबद्धता के साथ पूरा करें। तोमर ने प्रशासनिक समन्वय एवं विधानसभा कार्यप्रणाली विषय पर कहा कि मंत्रियों को अपने विभाग की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं को पूरी तरह समझना चाहिए। तोमर ने विभाग की योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए केंद्र सरकार से राशि प्राप्त करने के संबंध में भी बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल एवं मंत्रि-परिषद के सदस्य उपस्थित थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बजट, मंत्रालयीन कार्य प्रणाली, कार्य आवंटन नियम, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना नियमावली विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अनुपूरक अनुमान विधानसभा के प्रत्येक सत्र में लाया जा सकता है। उन्होंने बजट प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

स्वच्छ इंदौर अब हमारे नागरिक संस्कारों में आ गया है ः विजयवर्गीय नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर के स्वच्छ एवं विकसित शहर के रूप में उभरने की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छ इंदौर अब हमारे नागरिक संस्कारों में आ गया है। इंदौर का हर व्यक्ति सफाई मित्र है। इंदौर में स्वच्छता अभियान की शुरूआत रहवासी संघ बनाकर की गई। साथ ही दंड और पुरस्कार की भी योजना बनाई गई। कचरा वाहनों में जीपीएस लगाए गए।

पांच साल के बच्चे पर श्वान ने हमला कर दिया, कई जगह काटा

सिटी चीफ भोपाल

कोकता ट्रांसपेार्ट नगर में घर के बाहर खेल रहे पांच साल के बच्चे पर श्वान ने हमला कर दिया। श्वान ने बच्चे के गले, मुंह और चेहरे पर कई जगह काट लिया। वहीं उससे बचने से भागने पर बच्चा गिर गया, जिससे उसकी हड्डी भी टूट गई। इसके बाद उसको अस्पताल उपचार कराकर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाया गया है। रविवार को बच्चे को इंजेक्शन का तीसरा डोज लगा है। पिता रामस्वरूप अहिरवार बताते हैं कि उनके बेटे अभिनव को श्वानों को लेकर काफी डर लगता है। शिकायतों के बाद भी नगर निगम की टीम श्वानों को पकड़ने के लिए नहीं पहुंचती है। रविवार को पूरे दिन में करीब 34 एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए गए हैं। इसमें से करीब पांच मामले नए हैं। बाकि पुराने केसेस का फालोअप रेबीज लगवाने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। **केस 2** - ऐसे चार इमली क्षेत्र में रहने वाली दीक्षा मानकर(26) को कार्यालय से घर वापसी के समय श्वान ने अचानक हमला कर दिया। शाम को सात बज रहे थे। आसपास कोई श्वान का झुंड नहीं था, लेकिन अचानक एक श्वान अचानक आकर काट लिया। इसके तुरंत बाद रविवार को ही जेपी अस्पताल आकर एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाया है। **केस 3**- पंचशील मोहल्ले में शनिवार रात को निश्चिला ठाकुर(35) घर के बाहर घूम रही थी। अचानक पडोस में पाले एक श्वान ने अटैक कर दिया। उन्होंने छुडाने का प्रयास किया तो उनके हाथों में से खून निकल आया। सुरक्षा की का ध्यान करते हुए सरकारी अस्पताल पहुंचकर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाया। **केस 4**- इंदौर से अभी भोपाल आईं दीपाली गौर बताती हैं कि वो मोहल्ले में घूम रही थी। एक परिवार के यहां पाला गया श्वान घूम रहा था। दीपाली ने प्रेम से श्वान के सिर में सहलाया। इस दौरान श्वान ने उनकी कलाई को पकड़ लिया। इस दौरान युवती बेहोश हो गई।

मप्र बोर्ड 10 वीं की परीक्षा शुरू, परीक्षा केंद्र पर एक घंटा पहले पहुंचे विद्यार्थी

सिटी चीफ भोपाल

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10 वीं की परीक्षा सोमवार से शुरू हो रही है। पहला पेपर हिंदी का है। परीक्षा का समय सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक है। विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र पर पहुंचना प्रारंभ हो गया है। इस बार प्रवेश पत्र पर क्यूआर कोड मुद्रित किया गया है। विद्यार्थियों के परीक्षा केंद्र पहुंचने पर प्रवेश पत्र पर मुद्रित क्यूआर कोड को स्कैन किया जाएगा। वहीं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को तनावमुक्त होकर परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने और अपने साथ प्रवेश पत्र, पेन, पेंसिल आदि जरूरी चीजें साथ ले जाएं। वर्जित चीजों को परीक्षा केंद्र के बाहर लोहे की पेटी में जमा कर दें। बता दें, कि प्रदेश भर से 10वीं की परीक्षा में कुल 9.93 लाख विद्यार्थी शामिल हुए।

जनजातीय संग्रहालय में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। सोमवार 05 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी ।चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया । प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। सैन्य फिल्म का प्रदर्शन- शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर शाम पांच बजे से सैन्य फिल्म कुमायूंनी आन कामेट दिखाई जाएगी। फिल्म्स डिवीजन आफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण एवं निर्देशन एनएस थापा ने किया है। फिल्म पर्वतारोहण अभियान पर केंद्रित है। नाटक सौदागर का मंचन- रंगश्री लिटिल बैले ट्रूप में रंग विदूषक द्वारा फरीद बज्मी एवं बंसी कोल की स्मृति में नाटक सौदागर का मंचन होगा। श्रीकांत किशोर द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन बंसी कोल द्वारा किया जाएगा। गौहर महल- गौहर महल में बाग प्रिंट के शौकीन लोगों के लिए खास मेला शुरू हुआ है। इसकी खासियत यह है कि यहां बाग प्रिंट से तैयार सूट, ड्रेस मटेरियल, चादरें और टेबल कवर्स काफी रीजनेबल प्राइस में उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री बगवाड़ा बुधनी में सम्राट विक्रमादित्य सैनिक स्कूल के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव सोमवार को दिल्ली और बुधनी में आयोजित कार्यक्रमों में होंगे शामिल होंगे मुख्यमंत्री डॉ यादव प्रात: 10 बजे दिल्ली में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे।

दोपहर 2ः 45 बजे दिल्ली से भोपाल पहुंच जाएंगे। वे दोपहर 3ः 10 बजे बगवाड़ा बुधनी जिला सीहोर में सम्राट विक्रमादित्य सैनिक स्कूल के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे और शाम को 4.40 बजे बगवाड़ा से भोपाल पहुंच जाएंगे।

पांच रुपये मंहगी बेची बीयर तो लगा 10 हजार लगा जुर्माना

एक दिन के लिए लायसेंस भी निलंबित

सिटी चीफ भोपाल

नीलबड़ क्षेत्र में एक शराब ठेकेदार को निर्धारित मूल्य से पांच रुपये मंहगी शराब बेचना भारी पड़ गया। इसकी शिकायत मिलते ही कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने उक्त शराब दुकान का लाइसेंस एक दिन के लिए (6 फरवरी) निलंबित कर दिया है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। साथ ही भविष्य में उसे इस तरह की पुनरावृत्ति न करने की चेतावनी भी दी है। सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचुरा ने बताया कि नीलबड़ में लाइसेंसी ठेकेदार मेसर्स ग्वालियर लिकर्स की शराब दुकान है। आबकारी अमले ने पांच नवंबर 2023 इस दुकान का टेस्ट पर्चेस किया था। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि इस दुकान से बीरा बूम स्ट्रांग बीयर केन 210 रुपए में बेची जा रही थी, जबकि उसका मूल्य 205 रुपए निर्धारित है। बीयर केन पांच रुपए महंगी बेचने पर अमले ने पंचनामा बनाकर उसके खिलाफ प्रकरण भी दर्ज कराया था। इस मामले में कलेक्टर ने ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था। ठेकेदार के जवाब से विभाग संतुष्ट नहीं हुआ है। हालांकि उसके एजेंट ने स्वीकार किया कि यह बीयर महंगी बेची जा रही थी।

मौसम बेईमान तो घर-घर में बीमार

सिटी चीफ ग्वालियर

मौसम इन दिनों बड़ा बेईमान है। कभी तापमान बढ़ जाता, तो कभी कम हो जाता है। आए दिन मौसम में बदलाव से वायरल और बैक्टीरियल इंफेक्शन तेजी से बढ़ा है। इन इंफेक्शन की वजह से सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार, गले में खराश की समस्या हो रही है। एक हजार बिस्तर अस्पताल में मेडिसिन विभाग की ओपीडी में 80 प्रतिशत मरीज इस तरह की परेशानी लेकर पहुंच रहे हैं। कमोवेश यही स्थिति निजी अस्पताल और क्लीनिक में आने वाले मरीजों की है।जयारोग्य अस्पताल के एमडी मेडिसिन डा. संजय धवले का कहना है कि इस तरह के मौसम में लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। लापरवाही सेहत बिगाड़ सकती है। मौसम में पिछले एक सप्ताह से हुए बदलाव का लोगों की सेहत पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। अकेले एक हजार बिस्तर के अस्पताल के मेडिसिन विभाग की ओपीडी 400 से 500 तक पहुंच रही है। यह वायरल फीवर बच्चों और बुजुर्गों के साथ सभी वर्ग के लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। हर घर बीमार है। बुखार के साथ-साथ लोगों को गले में खराश की शिकायत ज्यादा हो रही है। डाक्टर ने कहा कि मौसम में बदलाव इसकी सबसे बड़ी वजह है। अचानक बारिश होने से नमी वायरस को पनपने का मौका देती है, इसलिए ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। पौष्टिक भोजन खाएंः बुखार की चपेट में आने वाले रोगियों को सर्दी, खांसी व गले में तेज दर्द की परेशानी होती है और कमजोरी आ जाती है। इस मौसम में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पौष्टिक भोजन खाएं और बाजार में बने खाद्य पदार्थों को खाने से परहेज रखना चाहिए।

भोपाल में मौसम शुष्क रहेगा, आंशिक रुप से बादल छाए रहेंगे

सिटी चीफ भोपाल

मप्र के चंबल अंचल में रविवार रात को बारिश हुई। हालांकि सोमवार सुबह भी हल्की बारिश व बूंदाबांदी हो रही थी। बारिश के बाद अंचल के तापमान में गिरावट तो आई है। लेकिन मौसम विभाग का कहना है कि बादल साफ होने के बाद अंचल में एक बार फिर से तीव्र ठंड पड़ सकती है। साथ ही दो दिन बाद कोहरा भी छा सकता है। भोपाल अंचल में आसमान साफ रहने की उम्?मीद है। रीवा, मउगंज, सीधी और पन्ना में हल्का कोहरा छाया रहा। न्यूनतम तापमान भोपाल और सागर संभाग के जिला में काफी बढ़े; ग्वालियर संभाग के जिलें विशेष रूप से बढ़ा है। शेष सभी संभाग के जिलों के तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। इंदौर, नर्मदापुरम और रीव संभाग के जिलों में सामान्य से अधिक रहे। भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, शहडोल और सागर संभाग के जिलों में काफी अधिक रहे। शेष सभी संभाग के जिले में सामान्य रहे।मौसम में आए बदलाव के कारण दिन का तापमान में 3.2 डिग्री सेल्सियस की कमी आई तो वहीं रात के तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया। मौसम विभाग का कहना है कि दो दिन बाद आसमान में साफ होगा और फिर कोहरा अपनी आमद दर्ज कराएगा जिससे ठंड बढ़ेगी। मौसम विभाग का कहना है कि भोपाल संभाग में मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन आंशिक रूप से वर्षा की भी संभावनाएं बनी हुई है। हवा भी 12-14 किमी की रफतार से चलेगी। इस कारण दिन में अधिकतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि रात के समय आसमान में बादल आने से न्यूनतम तापमान बढ़कर 15.6 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा।

नाबालिग से हैवानियत के आरोपित जेल भेजे, बहिष्कार करेगा समाज

सिटी चीफ ग्वालियर

भंवरपुरा में पन्द्रह वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के तीनों आरोपितों की रिमांड रविवार को पूरी हो गई। इन्हें पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, फिर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस घटना से भंवरपुरा के जिस गांव में आरोपित रहते हैं, वहां पूरा समाज इनका बहिष्कार करेगा। इन लोगों ने पूरे समाज और गांव को बदनाम किया है। भंवरपुरा में शिवपुरी से आई पन्द्रह वर्षीय किशोरी से हैवानियत की गई थी। इस मामले में पुलिस ने बंटी गुर्जर, खदान संचालक गब्बर सिंह के बेटे आकाश गुर्जर और संजीव गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया था। इन तीनों के मकानों पर बुलडोजर चला दिया गया ।एसडीओपी घाटीगांव शेखर दुबे ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले तीनों आरोपितों को पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गथा। इनकी रिमांड पूरी होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से इन्हें जेल भेज दिया गया। चौथे आरोपित जंडेल गुर्जर की तलाश चल रही है। जंडेल डकैत गुड्डा गुर्जर का साथी है, वह गैंग में शामिल रहा है। उसकी जंगल में तलाश चल रही है। उसके रिश्तेदार जिन गांव में रहते हैं, वहां भी तलाश चल रही है। भंवरपुरा और आसपास के गांव में सभी आरोपित और इनके स्वजन का बहिष्कार किया जाएगा।

संपादकीय

यशस्वी की धमक पूरे खेल जगत में बदलाव का प्रतीक

यशस्वी जायसवाल का शानदार प्रदर्शन न केवल भारतीय क्रिकेट के लिए सुखद क्षण है बल्कि पूरी दुनिया के खेल जगत में हो रहे बदलावों का एक संकेत भर है। यह उस संघर्ष को बयां कहती कहानी भी है जो हिन्दुस्तान ही नहीं दुनिया के अलग-अलग कोनों में छोटे शहरों या आर्थिक तौर पर मजबूत न माने जाने वाले परिवारों के बच्चों की है। यशस्वी का एक पुराना इंटरव्यू अक्सर वायरल होता रहता है, जिसमें उन्होंने बचपन के दौर के बारे में बताया है।सोचिए उस बालक के मन पर क्या गुजरी होगी जब उसके दोस्त मैच जीतने की पार्टी में गोलगप्पे खाने आए हों और बेचने वाला वही हो। कुछ इसी तरह से यशस्वी के दिन गुजरे हैं। ऐसा नहीं है कि यशस्वी के टेलेंट की झलक अभी मिली है, अब तो वह बड़े फलक पर अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रहे हैं। बात जब पूरी दुनिया के खेल की हो रही है तो पिछले सप्ताह ही वेस्टइंडीज के शमार जोसेफ की तेज गेंदबाजी के आगे ऑस्ट्रेलिया की टीम ने घुटने टेक दिए थे। शमार जिस गांव में पैदा हुए हैं, वहां पर जाने का आज भी कोई सही रास्ता नहीं है। उनके गांव में इंटरनेट नहीं है। बचपन में खेत में उगने वाले फलों को गेंद की तरह फेंक कर शुरूआत करने वाला यह गेंदबाज भी आज पूरी दुनिया में पहचान बना रहा है। इंग्लैंड के युवा स्पिनर टॉम हार्टले और रेहान अहमद को भी इसी श्रेणी में रख सकते हैं। संभव है कि जैक लीच के बाद इंग्लैंड ही नहीं पूरी दुनिया इन युवाओं की फिरकी पर नाचे। बात क्रिकेट की नहीं पिछले रविवार को यानिक सिनर जब ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस फाइनल में दो सेट हारने के बाद वापसी करते हैं तो यह अंदाजा हो जाता है कि इस खेल की पुरानी पीढ़ी के बाद अब बदलाव का दौर आने वाला अल्कारेज ने नडाल, फेडरर और जोकोविच की बादशाहत पहले ही छीननी शुरू कर दी थी अब सिनर जैसे युवा हर तरह से यह जगह लेने को तैयार हैं। टेनिस के तीन दिग्गजों की तरह ही भारतीय क्रिकेट भी विराट और रोहित के आगे देखने को तैयार है। अब तक कभी शुभमन तो कभी किसी और को इनकी जगह का उत्तराधिकारी माना जा रहा था लेकिन यशस्वी के उदय से संकेत है कि पूरी एक पीढ़ी खड़ी है। हमने विराट और रोहित जैसे स्टार खिलाड़ियों का एक पूरा दौर देखा है। सच कहें तो एक खेल प्रेमी के तौर पर यह हमारा दौर भी रहा है। हमें भी अब अपने आपको तैयार करना होगा कि हमारे पसंदीदा खिलाड़ियों की जगह लेने को युवा उफान और तूफान सामने आ रहा है।

भारतीय लोकतंत्र: उल्लेखनीय रही अब तक की यात्रा, निचले तबके तक पहुंच रहा विकास

समान नागरिक संहिता और इस तरह के अन्य कानून की कमी देश को धर्म और जाति में बांट रही है। 75 वर्षों से ज्यादा समय से आरक्षण यह सुनिश्चित करने का साधन रहा है कि सभी समूहों को समान अवसर मिले। हालांकि आरक्षण ने निश्चित रूप से बहिष्कृत समाजों की भागीदारी और समावेशन बढ़ाने का काम किया है, लेकिन निर्विवाद रूप से क्रीमी लेयर का उदय आरक्षण के लाभों पर हावी है।यह हमारे देश की उपलब्धि रही है कि हमारा लोकतंत्र न केवल बीते साढ़े सात दशकों में परिपक्व हुआ है, बल्कि समृद्ध भी हुआ है। जब हमने 1950 में अपने संविधान को अपनाया, तब दुनिया दूसरे विश्वयुद्ध और उपनिवेशवाद के परिणामों से निपट रही थी। उस समय देश गरीबी और औपनिवेशिक शोषण के गहरे घाव झेल रहा था। कई पर्यवेक्षक तो यहां तक कहते थे कि भारत में लोकतंत्र ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रहेगा, लेकिन आज हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा और जीवंत लोकतंत्र है। सामाजिक-आर्थिक विकास और राजनीतिक शक्ति निचले तबके के 40 फीसदी लोगों सहित समाज के हर वर्ग में पहुंचा है। 1991 में हुए आर्थिक उदारीकरण के चलते आर्थिक विकास की गति तीव्र हुई है, जो वित्त वर्ष 1991 के 5.32 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 296.57 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यानी 33 वर्षों में 13 फीसदी की संचयी वार्षिक विकास दर! यह भारतीय इतिहास की एक अनूठी उपलब्धि है। इस दशक में आधारभूत ढांचे के विकास पर खर्च में भारी बढ़ोतरी, वित्तीय क्षेत्र में बचत एवं निवेश में वृद्धि, विनिर्माण एवं उत्पादन में वृद्धि और बहुत बड़ी आबादी का तकनीकी आधारित समावेश पहल विकास को गति दे रही है। भारत अब नॉमिनल जीडीपी के हिसाब से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले कुछ वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। हमारी उपलब्धियां जहां हमें अब तक की यात्रा के बारे में बताती हैं, वहीं कमियां आगे की चुनौतियों का पता देती हैं। हमारी सबसे बड़ी कमियों में से एक है न्याय की कमी, जो आबादी के एक बड़े हिस्से को देर से मिलता है। एक अनुमान के मुताबिक, ढाई लाख विचाराधीन कैदी जेलों में बंद हैं, जो अदालतों के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और जिन आरोपों में वे जेल में बंद हैं, उनकी अधिकतम सजा का आधे से ज्यादा हिस्सा उन्होंने जेल में बिता दिया है। कई ऐसे भी मामले हैं, जिनमें निर्दोष लोग 15-20 वर्षों तक जेलों में बंद रहे और फिर सबूतों के अभाव में रिहा हो गए। न्याय प्रणाली द्वारा मुकदमा चलाने की धीमी गति के कारण भ्रष्ट राजनेता अपनी कपटपूर्ण गतिविधियों को जारी रखने में सक्षम हैं। ऐसे में न्याय क्षमता का निर्माण तेजी से होना चाहिए, खासकर निचली अदालतों में। भारत में प्रति दस लाख की आबादी पर मुश्किल से 21 जज हैं, जबकि 100 जज होने चाहिए। न्याय एक सभ्य समाज का आधार है, और भारत को तुरंत इस आधार का सशक्तीकरण सुनिश्चित करना चाहिए। समान नागरिक संहिता और इस तरह के अन्य कानून की कमी देश को धर्म और जाति में बांट रही है। 75 वर्षों से ज्यादा समय से आरक्षण यह सुनिश्चित करने का साधन रहा है कि सभी समूहों को समान अवसर मिले। हालांकि आरक्षण ने निश्चित रूप से बहिष्कृत समाजों की भागीदारी और समावेशन बढ़ाने का काम किया है, लेकिन निर्विवाद रूप से क्रीमी लेयर का उदय आरक्षण के लाभों पर हावी है। इसके अलावा, समान नागरिक संहिता का न होना, निश्चित रूप से समाज के कुछ ह्रासमूहों पर अन्यायपूर्ण प्रभाव डाल रहा है, जैसे मुस्लिम महिलाएं, जो आबादी का आठ प्रतिशत हैं। संविधान में अंतर्निहित समानता के वादे में पूर्ण लैंगिक समानता भी शामिल होनी चाहिए। हिंदू महिलाओं को अपने पुरुष समकक्षों की तरह अधिकांश अधिकार प्राप्त हैं, जबकि अलग धार्मिक कानून की वजह से मुस्लिम महिलाओं को वह लाभ नहीं मिलता, जिसका फायदा अनुचित रूप से मुस्लिम पुरुष उठाते हैं। समान नागरिक संहिता, जो लिंग, धर्म और जाति की परवाह किए बिना सभी नागरिकों से समान व्यवहार करे, इस वक्त की जरूरत है। पुलिस सुधार भी एक और तात्कालिक जरूरत है। ऐसा लगता है कि पुलिस बल अब भी अपने औपनिवेशिक साम्राज्यवादी मूल्यों से मजबूती से जुड़े हुए हैं। पुलिस बर्बरता के कई मामले सामने आए हैं, मसलन, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर लाठीचार्ज या जेलों में विचाराधीन कैदियों की पिटाई। पुलिस सुधार, जो अनिवार्य रूप से नागरिकों की सुरक्षा और कानून के राज पर केंद्रित है, बेहद महत्वपूर्ण विषय है, और ऐसा करने पर समाज में पुलिस का सम्मान बढ़ेगा और यह हमारे समृद्ध लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण होगा। वित्तीय क्षेत्र में मजबूत पूंजीकरण के साथ बैंकिंग प्रणाली अच्छी स्थिति में है और शेयर बाजार में खुदरा भागीदारी बढ़ रही है। प्रति व्यक्ति आय निरंतर बढ़ रही है और नागरिक आर्थिक विकास के कई नए रास्ते तलाश रहे हैं, लेकिन कर चोरी एवं इससे जुड़े विवाद भी बढ़ रहे हैं। कर विवादों की मात्रा वर्ष 2014 के 4.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023 में 12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। कर अधिकारियों को पहले जरूरी सबूत इकट्ठा करने और तार्किक संदेह करने की आवश्यकता के बिना लोगों को परेशान करने के लिए काफी अधिकार दे दिए गए हैं। ऐसे में, उन्हें जवाबदेह बनाना चाहिए, और उनकी मनमानी शक्तियों पर अंकुश लगाने के लिए सुधार किए जाने चाहिए। सामाजिक स्तर पर देखें, तो शिक्षा के क्षेत्र में भारत काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। लगभग सभी बच्चे स्कूल में हैं और अब शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। 18 से 23 आयु वर्ग के 28 फीसदी युवा कॉलेजों में हैं और एक दशक में इनकी संख्या 50 फीसदी तक बढ़ाने के लिए पहल की जरूरत है। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क स्थापित करने की भी जरूरत है। एक अनुमान के मुताबिक, 13 करोड़ भारतीय आज 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के हैं और अनुमान है कि इनकी संख्या 2030 तक बढ़कर 20 करोड़ हो जाएगी। पेंशन व्यवस्था या स्वास्थ्य सेवा की कमी के कारण उनमें से कई गरीबी में जी रहे हैं। एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क उनके सम्मानपूर्ण जीवन के अधिकार को सुनिश्चित करेगा। अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए ये सभी बातें जरूरी हैं और इन्हें तेजी से लागू करने से देश वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में आगे बढ़ पाएगा। कुल मिलाकर, दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले बड़े लोकतंत्र के रूप में हमारी अब तक की उपलब्धियां उल्लेखनीय रही हैं। हालांकि काफी समय से लंबित कई बड़े सुधारों के साथ भारत को अभी मीलों चलना है, लेकिन संतोष की बात है कि हम उम्मीद के साथ भविष्य की ओर देख सकते हैं।

राजस्थान से गहरा रहा है आडवाणी का नाता, चौड़ा रास्ता में दस साल नानाजी की हवेली में बिताया समय

आडवाणी दस साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में पूर्णकालिक प्रचारक रहे हैं और बाद में संघ की राजनीतिक शाखा जनसंघ में उन्होंने तीन दशक से अधिक कार्य किया। आडवाणी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य भी हैं। उनका राजस्थान से बेहद गहरा नाता रहा है और उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत यही से की थी।लालकृष्ण आडवाणी जब मात्र 14 साल थे, तब वर्ष 1941 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बन गए थे। देश के बंटवारे से पहले वो वर्ष 1947 तक कराची (अब पाकिस्तान में) में संघ की शाखाएं लगाते थे। देश के बंटवारे के बाद वो प्रचारक बनकर राजस्थान आ गए। यहां अलवर, भरतपुर, कोटा, बूंदी और झालावाड़ जिलों में उन्होंने वर्ष 1952 तक कार्य किया आरएसएस पर जब वर्ष 1948 में प्रतिबंध लगा तो संघ ने महसूस किया कि उसका अपना कोई राजनीतिक संगठन होना चाहिए, तब जनसंघ की स्थापना हुई। संघ ने आडवाणी को राजस्थान में जनसंघ को स्थापित करने के लिए वर्ष 1952 में भेजा। राजस्थान में जनसंघ की जड़ों को गहरा करने और आगे चलकर जब जनसंघ भारतीय जनता पार्टी बना तो उसे राजस्थान में स्थापित करने में आडवाणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वर्ष 1952 में जनसंघ का कार्यालय जयपुर में प्रसिद्ध हवा महल के करीब पुरानी राजस्थान विधानसभा के सामने धाभाई जी की हवेली में था। आडवाणी यही से जनसंघ की गतिविधियों को चलाते थे। इस हवेली में आडवाणी कुछ समय तक रहे भी। उसके बाद संघ का कार्यालय जयपुर के पुराने शहर में चौड़ा रास्ता में नानाजी की हवेली में खुल गया। यह हवेली बाद में संघ का मुख्यालय भी बनी थी। नानाजी स्वयं जागीरदार थे और संघ से उनका गहरा जुड़ाव था। आडवाणी नानाजी की हवेली में करीब 10 साल तक रहे और जनसंघ को राजस्थान में जमाया। जनसंघ के नेताओं का नानाजी की हवेली में आना-जाना था। राजस्थान विधानसभा के वर्ष 1952 में हुए पहले चुनाव में आडवाणी ने ही भैरोंसिंह शेखावत को टिकट दिया था। इस चुनाव में भैरोंसिंह शेखावत समेत 8 विधायक जनसंघ के चुनकर आए थे। एक तरह से आडवाणी ही भैरोंसिंह शेखावत को राजनीति में लाए थे। शेखावत बाद में राजस्थान के मुख्यमंत्री और देश के उप राष्ट्रपति भी रहे। फिर जब वर्ष 1952 में लोकसभा का चुनाव आया तो आडवाणी ने भानु कुमार शास्त्री को टिकट दिया था। शास्त्री बाद में राजस्थान में विधायक और यहां से सांसद भी रहे। आडवाणी के रहते ही जनसंघ ने राजस्थान में जागीर प्रथा को समाप्त करने वाले राजस्थान भूमि सुधार एवं जागीर पुनर्भरण अधिनियम 1952 का समर्थन किया था, जिसके बाद भैरोंसिंह शेखावत और जगत सिंह झाला को छोड़कर शेष 6 जनसंघ विधायकों ने विरोध में पार्टी छोड़ दी थी। तब यूं लगा था कि राजस्थान में जनसंघ समाप्त हो जाएगा, लेकिन आडवाणी और भैरों सिंह शेखावत की राजनीतिक कुशलता ने पार्टी को गिरने नहीं दिया। लालकृष्ण आडवाणी को खिचड़ी खाना बहुत पसंद था। वो जयपुर में नानाजी की हवेली पर कोयले की सिगड़ी रखते थे, जिस पर अक्सर खिचड़ी बनाकर खाया करते थे। आडवाणी को चाय पीने का भी शौक था। संघ कार्यालय के पास एक सिंधी की चाय नाम की दुकान थी, जहां वो अक्सर चाय पिया करते थे।

समाजः बदल रहा है उच्च शिक्षा का माहौल समावेशी पहल से उत्थान की उम्मीदें

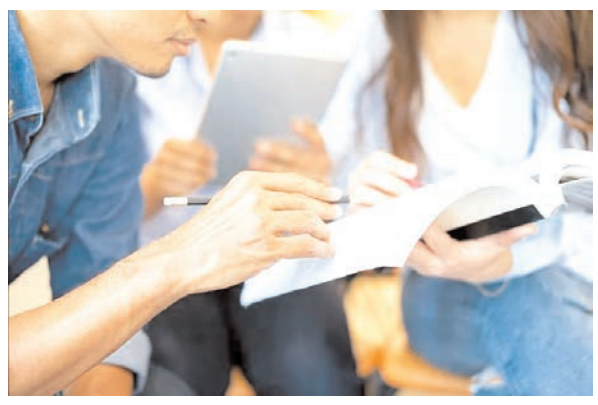

सरकार और विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भी कमजोर वर्गों की छात्राओं और दिव्यांगों के प्रति पूरी जिम्मेदारी दर्शाई है। 2017-18 की तुलना में 2021-22 में पंजीकृत 18.1 फीसदी एससी 2022 में 25 फीसदी हो गए हैं। शिक्षा मंत्रालय की एक रिपोर्ट कहती है, 'अजजा के छात्रों की संख्या बढ़कर विगत पांच वर्षों में 41.6 फीसदी हुई है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी माहौल से समाज के उत्थान की नई उम्मीदें पैदा हुई हैं।एक वक्त था, जब विश्वविद्यालयों में ज्यादातर राजनीतिक नियुक्तियां होती थीं और दूसरे पदों पर नियुक्तियों में भी काफी पैसा चलता था। ऐसे में अजा/अजजा जैसे कमजोर वर्गों के लोगों का शैक्षिक पदों में समावेश बेहद मुश्किल था, क्योंकि उनके पास इतने आर्थिक संसाधन नहीं थे, कि वे नियुक्ति के सपने देख सकें। जाहिर है कि इन पदों पर कमजोर वर्गों का प्रतिनिधित्व भी तकरीबन शून्य ही हुआ करता था। अर्हता के मानक और व्यवस्था की नकारात्मक दृष्टि के कारण करोड़ों की आबादी वाले ये समुदाय एक फीसदी भी समावेश पाने से वंचित थे। किसी को पता भी नहीं चलता था, और बगैर किसी शैक्षिक मूल्यांकन के चोर दरवाजे से विश्वविद्यालय रूपी मंदिर में उच्च पदों पर नियुक्तियां होती थीं। नतीजा यह होता था कि कमजोर वर्गों के छात्र व छात्राएं काफी हतोत्साहित रहते थे और उच्च शिक्षा के प्रति काफी उदासीन भी। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। आज बाकायदा पदों के विज्ञापन छपते हैं। सर्च कमेटियां बैठती हैं। रिसर्च एडमिनिस्ट्रेटिव अनुभव और बौद्धिक विकास की संकल्पना को साकार करते सत्यनिष्ठ आचार्यों की उपलब्धियों से विश्वविद्यालयों के उच्चतम पदों की गरिमा में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ रही हैं। अब राजनीतिक प्रतिबद्धता से मुक्त, अपने अकादमिक दायित्वों, विद्या-विकास के प्रति निष्ठा और सामूहिकता की भावना जैसे गुणों को नियुक्ति के वक्त तरजीह दी जाती है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र की समृद्धि राष्ट्र की सामाजिक समृद्धि की रीढ़ होती है। उन आचार्यों को प्रमुखता दी जा रही है, जिनके पास अपेक्षित उच्च स्तरीय उपाधियां हों, जिन्होंने उच्च स्तरीय रिसर्च किया हो, जिनकी कला-विज्ञान या मीडिया विषयक पुस्तकें विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हों, जिनके अनुवाद देशी-विदेशी भाषाओं में हों और जिनके रचना कर्म को लेकर देश के अनेक विश्वविद्यालयों में दर्जनों एम.फिल., पीएच.डी. के रूप में शोध कार्य हो चुके हों। हाल ही में आरक्षित श्रेणी के फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने और उनका इस्तेमाल पश्चिम बंगाल के चिकित्सा महाविद्यालय में किए जाने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की कार्यवाही पर रोक लगाई है। फर्जी जाति प्रमाण पत्र ऐसा भ्रष्टाचार है, जिससे अजा/अजजा के शिक्षा क्षेत्र में समावेश की संभावना को न्यूनतम किया जाता रहा है। निराशा और नाउम्मीदी को परास्त कर सभी के लिए आशाजनक खबर आई, कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के 'अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण' के अनुसार, देश में नामांकन बढ़कर 4.33 करोड़ हुआ है। 2014 के बाद हुई 26.5 फीसदी की वृद्धि आशातीत है। 2014-2015 से अब तक 341 विश्वविद्यालय स्थापित हुए हैं। आंकड़ों की मानें, तो 2021-22 में सकल नामांकन अनुपात 28.4 तक पहुंच गया है। समानांतर रूप से स्थापित प्राइवेट सेक्टर की शिक्षा व्यवस्था में एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों/शिक्षकों, कुलसचिवों, कुलगुरुओं में राजकीय और निजी क्षेत्र का समावेशी अनुपात कितना संतोषजनक है, इसका कोई ब्योरा नहीं है। निजी क्षेत्र की अंग्रेजी माध्यम की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाना कमजोर वर्गों के लिए दुर्लभ होता जा रहा है। वहां सामान्य वर्ग की तुलना में आरक्षित वर्ग के छात्रों का अनुपात नगण्य है। परंतु राजकीय शिक्षा में पहले से स्थिति बेहतर हुई है। मीडिया में जारी आंकड़े बताते हैं, 2014-15 में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का नामांकन 46.07 लाख था, जो 2021-22 में बढ़कर 66.23 लाख हो गया है। अर्थात 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अनुसूचित श्रेणी की छात्राओं की संख्या 21.02 लाख से बढ़कर 31.71 लाख बताई गई है। हम जानते हैं कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पदोन्नतियां, भर्तियां और पीएचडी पाठ्यक्रमों में सभी श्रेणियों की सीटें बढ़ी हैं। सरकार और विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भी कमजोर वर्गों की छात्राओं और दिव्यांगों के प्रति पूरी जिम्मेदारी दर्शाई है। 2017-18 की तुलना में 2021-22 में पंजीकृत 18.1 फीसदी एससी 2022 में 25 फीसदी हो गए हैं। शिक्षा मंत्रालय की एक रिपोर्ट कहती है, 'अजजा के छात्रों की संख्या बढ़कर विगत पांच वर्षों में 41.6 फीसदी हुई है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी माहौल से समाज के उत्थान की नई उम्मीदें पैदा हुई हैं।

महाकाल ने धारण की मुंडमाला, दिव्य स्वरूप के दर्शन कर भक्त हुए निहाल

मुंड माला पहनाकर बाबा महाकाल का शृंगार किया गया। उसके बाद भस्म रमाई गई। इस दिव्य स्वरूप के दर्शन हजारों भक्तों ने किए। पौष कृष्ण पक्ष की दशमी सोमवार पर आज भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का निराला स्वरूप देखने को मिला। त्रिपुंड, सूर्य, चंद्र और मुंडमाला धारण करने के बाद बाबा महाकाल ने मुकुट धारण किया और आभूषण भी पहने जिसने भी इस शृंगार को देखा देखते ही रह गया। इस दौरान पहले बाबा महाकाल का शृंगार किया गया। उसके बाद भस्म रमाई गई। इस दिव्य स्वरूप के दर्शन हजारों भक्तों ने किए। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर मे सोमवार सुबह हुई भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही मंदिर में सर्वप्रथम पुजारी और पुरोहितों के द्वारा भगवान श्री गणेश, माता पार्वती, कार्तिकेय और बाबा महाकाल का जलाभिषेक किया। उसके बाद कपूर आरती की गई। उसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से किया गया। भगवान को सूर्य, चन्द्र अर्पित कर और मस्तक पर त्रिपुंड और आभूषण से शृंगारित करने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से बाबा महाकाल को भस्म अर्पित की गई। भस्म आरती के बाद बाबा महाकाल को मुंडमाला के साथ मुकुट धारण करवाए गए। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शनों का लाभ लिया। पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

सरस्वती पूजाः वसंत पंचमी पर छात्र करें ये उपाय, प्रसन्न होंगी विद्या और ज्ञान की देवी

वसंत पंचमी के दिन ज्ञान, वाणी, बुद्धि, विवेक, विद्या और सभी कलाओं से परिपूर्ण मां सरस्वती की पूजा अर्चना की जाती है। इस दिन लोग ज्ञान के साथ खुद को प्रबुद्ध करने और अज्ञानता से छुटकारा पाने के लिए मां शारदा की पूजा करते हैं। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है। इस साल वसंत पंचमी का पर्व 14 फरवरी को मनाया जा रहा है। इस दिन ज्ञान, वाणी, बुद्धि, विवेक, विद्या और सभी कलाओं से परिपूर्ण मां सरस्वती की पूजा अर्चना की जाती है। इस दिन लोग ज्ञान के साथ खुद को प्रबुद्ध करने और अज्ञानता से छुटकारा पाने के लिए मां शारदा की पूजा करते हैं। जो भी व्यक्ति ज्ञान और वाणी की देवी मां सरस्वती की उपासना करता है, उसको ज्ञान की प्राप्ति होती है। वहीं यदि कोई छात्र पढ़ाई में कमजोर है या उसका पढ़ाई में मन नहीं लगता है तो वसंत पंचमी के दिन कुछ उपाय करने चाहिए। चलिए जानते हैं उन उपायों के बारे में.जिन छात्रों का पढ़ाई में मन नहीं लगता उन्हें वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती को केसर या पीले चंदन का तिलक लगाएं। साथ ही इस दिन पीले रंग के वस्त्र जरूर पहनें। मां सरस्वती की पूजा करें और पूजा स्थल पर किताब-कलम अवश्य रखें। इससे आपके ऊपर मां सरस्वती की कृपा हमेशा बनी रहेगी। साथ ही ज्ञान, बुद्धि एवं विवेक का आशीर्वाद प्राप्त होगा। यदि आपका बच्चा पढ़ाई से जी चुराता है तो वसंत पंचमी के दिन बच्चे के हाथ से मां सरस्वती को पीले रंग के फल और फूल अर्पित करवाएं। इसके अलावा मां सरस्वती का एक चित्र बच्चे के स्टडी टेबल के पास लगाएं। शिक्षा में सफलता के लिए मेहनत के साथ ही अध्ययन कक्ष का सही दिशा में होना अति आवश्यक है। कई बार वास्तु दोष के कारण भी छात्रों को शिक्षा में अच्छे परिणाम नहीं मिल पाते, इसलिए आपका बच्चा कहां पढ़ रहा है, पढ़ते वक्त किस दिशा में उसका चेहरा है, इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है। वास्तु विशेषज्ञों की मानें तो पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा ध्यान और शांति की दिशा मानी गई है। सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव भी इसी दिशा में सबसे अधिक होता है। ऐसे में ध्यान रहे कि अध्ययन कक्ष इन्हीं दिशाओं में हो। साथ ही पढ़ाई करते वक्त बच्चे का चेहरा पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रहे।

भारती सिंह ने हंसते-हंसते लगाई पूनम पांडे की क्लास

जल्द मचाएंगी कृष्णा अभिषेक-सुदेश संग धमाल

,

पूनम पांडे बीते दिन अपने निधन की झूठी खबर फैलाकर सुर्खियों में आ गईं। खबर के वायरल होने के 24 घंटे बाद मॉडल-अभिनेत्री ने खुद ऑनलाइन आकर खुलासा किया कि वह जिंदा हैं। अभिनेत्री ने तर्क दिया कि उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यह कदम उठाया था। हालांकि, पूनम का यह कदम फैंस समेत सितारों को रास नहीं आया और वह सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रोल हो रही हैं। इसी कड़ी में कृष्णा अभिषेक और सुदेश लहरी, कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में पहुंचे। इस दौरान भारती सिंह और उनके पति ने पूनम के इस कदम पर अपने विचार साझा किए। कृष्णा अभिषेक और सुदेश लहरी, भारती सिंह के ऑफिस के बाहर नजर आए। इस दौरान कृष्णा ने साझा किया कि हम भारती के पॉडकास्ट का हिस्सा बनने पहुंचे थे। कॉमेडियन ने कहा, हमारा पॉडकास्ट बहुत दिलचस्प है। आप लोग देखना बहुत मजा आएगा। कृष्णा ने यह भी साफ किया कि अभी इसका दूसरा पार्ट शूट होना बाकी है। इसी बीच पैपराजी ने भारती सिंह से पूछा कि पूनम पांडे ने अपनी मौत की फेक खबर फैलाई इस पर आप क्या कहेंगी? सवाल सुनते ही भारती की हंसी छूट गई। इसके बाद हर्ष लिंबाचिया ने कहा कि हमने कोई आरआईपी का पोस्ट नहीं डाला था क्योंकि हमें पहले से ही शक था। भारती सिंह ने कहा कि उनके सभी फैंस बेहद गुस्सा है, और कोई रोने भी लग गए कि ऐसा कैसे हो गया। हर्ष लिंबाचिया ने पूनम पांडे के जरिए उठाए गए कदम की निंदा करते हुए कहा, हर बंदा किसी न किसी परेशानी से गुजर रहा है। ऐसे में ऐसी कोई बुरी खबर सामने आ जाती है, तो उसका पूरा दिन बर्बाद हो जाता है।

मुझे यहां तक पहुंचने तक लगे 19 साल... 12वीं फेल का क्लाइमेक्स सीन फिल्माने पर रो पड़े थे विक्रांत

विधु विनोद चोपड़ा की 12वीं फेल एक ऐसी फिल्म है, जिसने लगभग सभी के दिलों को छू लिया है। प्रशंसकों से लेकर मशहूर हस्तियों तक, हर कोई फिल्म को लेकर उत्साहित है और वे लगातार अब तक फिल्म और इसके कलाकारों की प्रशंसा कर रहे हैं। फिल्म के अलावा अभिनेता विक्रांत मैसी और मेधा शंकर को उनके शानदार अभिनय के लिए सराहा गया है। हाल ही में एक साक्षात्कार में विक्रांत ने कहा कि यह फिल्म उनके करियर में एक रीस्टार्ट पल है। वहीं, अब फिल्म के सह-लेखक ने सेट से एक भावनात्मक क्षण साझा किया है। जसकुंवर कोहली, जो फिल्म 12वीं फेल के सह-लेखक, एसोसिएट डायरेक्टर और एडिटर भी हैं, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर क्लाइमेक्स सीन की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने दो तस्वीरें साझा करते हुए सेट की असली घटना बताई। उन्होंने खुलासा किया कि अंतिम परिणाम दृश्य की शूटिंग के दौरान विक्रांत मैसी को बार-बार अपने घुटनों पर गिरना पड़ता था, लेकिन हर बार वे गहराई से रोते थे और यह अविश्वसनीय था। जसकुंवर ने आगे खुलासा किया कि वह टेक के बीच में खुद से बस एक पंक्ति कहते थे, मैं भी यहां तक बिना ऑक्सीजन सपोर्ट के पहुंचा हूं, वो भी नंगे पैर आगे अपने कैप्शन में उन्होंने बताया कि जब शूट पूरा हुआ तो विक्रांत मैसी फर्श पर बैठ गए और रोना बंद नहीं किया, वे रोते रहे, जबकि मेधा शंकर ने उन्हें धीरे से कंधों से पकड़ लिया। जसकुंवर ने तब खुलासा किया कि विक्रांत ने उस समय मेधा कहा था, यह मेरी भी कहानी है। विक्रांत ने अपने आंसुओं के माध्यम से मेधा से कहा, मुझे यहां तक पहुंचने में 19 साल लग गए और मैं भी बिना ऑक्सीजन सपोर्ट के यहां पहुंचा हूं मेधा, नंगे पांव... यह मेरी भी कहानी है। उन्होंने अंत में लिखा, फिल्म के इस प्रतिष्ठित क्षण में सिर्फ मनोज कुमार शर्मा ही नहीं, बल्कि विक्रांत मैसी भी थे। सिक्के के दोनों पहलू एक अवास्तविक मानवीय अनुभव में मिश्रित हो गए। दोनों ने इसे एक साथ, एक ही समय में बनाया। हाल ही में 12वीं फेल ने थिएटर में 100 दिन पूरे किए। यह पूरी कास्ट और क्रू के लिए जश्न का पल था, जो एक साथ एकत्र हुए थे। इस यादगार अवसर के दौरान नायक मनोज कुमार शर्मा की भूमिका निभाने वाले विक्रांत मैसी ने फिल्म को अपने करियर का रीस्टार्ट पॉइंट बताया। अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए विक्रांत ने कहा, अगर हम 12वीं फेल के बारे में बात करें तो यह वास्तव में मेरे लिए मेरे करियर को फिर से शुरू करने का क्षण था। वहीं अभिनेता की अगली परियोजनाओं के बारे में बात करें तो 12वीं फेल के बाद अब विक्रांत मैसी राजकुमार हिरानी के साथ काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक वेब सीरीज के लिए राजकुमार हिरानी और विक्रांत साथ आएंगे। शो में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह साइबर क्राइम पर आधारित होगी और अभिनेता साइबर क्राइम सुरक्षा विशेषज्ञ की भूमिका निभाएंगे।,

ग्रैमी अवॉर्ड्स में भारत की बड़ी जीत, शंकर महादेवन-जाकिर हुसैन ने अपने नाम किया पुरस्कार

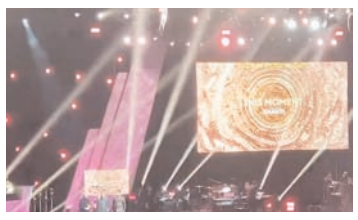

भारत ने इस साल ग्रैमी अवॉर्ड्स में बड़ी जीत हासिल की है। रविवार को लॉस एंजिल्स में 66वें ग्रैमी अवॉर्ड्स आयोजित किया गया। इस दौरान सिंगर टेलर स्विफ्ट, ओलिविया रोड्रिगो, माइली साइरस और लाना डेल रे ने कई ग्रैमी अवॉर्ड्स अपने नाम किए। वहीं, ग्रैमी अवार्ड्स 2024 में भारतीय संगीतकारों का भी दबदबा देखने को मिला। सिंगर शंकर महादेवन और तबला वादक जाकिर हुसैन समेत चार संगीतकारों ने ये पुरस्कार अपने नाम किया। शंकर महादेवन और जाकिर हुसैन के बैंड शक्ति ने दिस मोमेंट के लिए सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम का पुरस्कार जीता। ग्रैमीज ने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा, सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम विजेता को बधाई- दिस मोमेंट शक्ति। भारतीय संगीतकार और ग्रैमी विजेता रिकी केज ने मंच पर उनके स्वीकृति भाषण का एक वीडियो साझा करके बैंड को बधाई दी है। केज ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, शक्ति ने ग्रैमी जीता। इस एल्बम के माध्यम से 4 शानदार भारतीय संगीतकारों ने ग्रैमी पुरस्कार जीते!! बस कमाल। भारत हर दिशा में चमक रहा है। उन्होंने आगे लिखा, शंकर महादेवन, सेल्वगणेश विनायकराम, गणेश राजगोपालन, उस्ताद जाखिर हुसैन और उस्ताद जाखिर हुसैन ने उत्कृष्ट बांसुरी वादक राकेश चौरसिया के साथ दूसरा ग्रैमी जीता। शानदार, भारत ने ग्रैमी जीता। शंकर महादेवन ने अपने भाषण में अपनी पत्नी को उनका निरंतर समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, धन्यवाद भगवान, परिवार, दोस्तों और भारत को धन्यवाद। हमें तुम पर गर्व है भारत। अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं यह पुरस्कार अपनी पत्नी को समर्पित करना चाहता हूं, जिनके लिए मेरे संगीत का हर स्वर समर्पित है। इस बीच, माइली साइरस ने डोजा कैट, बिली इलिश, ओलिविया रोड्रिगो और टेलर स्विफ्ट को पछाड़ते हुए अपने हिट फ्लावर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पॉप एकल प्रदर्शन के लिए अपना पहला ग्रैमी अवार्ड जीता है। मारिया कैरी से पुरस्कार स्वीकार करने के लिए साइरस मंच पर आए। इस दौरान उन्होंने कहा, यह बहुत प्रतिष्ठित है।

जब ऐश्वर्या के प्यार में दिल हार बैठे अभिषेक इस फिल्म के दौरान करीब आई ये जोड़ी

अभिनेता अभिषेक बचन ने हिंदी सिनेमा एक अलग मुकाम हासिल किया है। अपने करियर में उन्हें एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी, लेकिन उनके लिए यह सफर इतना आसान नहीं था। फिल्म रिफ्यूजी से अपने करियर की शुरूआत करने वाले अभिषेक की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लगातार फ्लॉप हो गई थी, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। इसके बाद साल 2004 उन्होंने बड़े पर्दे पर धूम मचा दिया। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। अभिषेक ने इसके बाद अपने करियर में कई दमदार भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीत लिया। आज अभिषेक अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं। चलिए आपको अभिनेता के बारे में कुछ दिलचस्प बातें बताते हैं। इंडस्ट्री में अभिषेक बचन ने 24 वर्षों से सक्रिय हैं, हालांकि उन्हें अपनी अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। फिल्म धूम के बाद अभिषेक ने गुरु, युवा, बंटी और बबली जैसी शानदार फिल्में दी। इसके अलावा अभिषेक ने ओटीटी पर अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। वहीं, अगर उनके निजी जिंदगी की बात करे तो अभिषेक की निजी जिंदगी में काफी खुशहाल रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी पत्नी और इंडस्ट्री के जानी-मानी अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बचन हैं। ऐश्वर्या से अभिषेक की पहली मुलाकात साल 2000 में हुई थी। तब वे ढाई अक्षर प्रेम के की शूटिंग कर रहे थे। दोनों ने इसी साल फिल्म कुछ न कहो में भी काम किया। इसके बाद साल 2002 में अभिषेक की करिश्मा कपूर से सगाई हो गई। कपूर और बचन परिवार का रिश्ता जुड़ने वाले था, लेकिन न जाने किस वजह से साल 2003 में ये सगाई टूट गई। उस वक्त तक ऐश्वर्या सलमान खान के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन कुछ वक्त बाद इन दोनों का स्टार्स की भी ब्रेकअप हो गया। इस दौरान अभिषेक फिल्म युवा, बंटी और बबली और कभी अलविदा न कहना जैसी हिट फिल्मों में नजर आएं। बंटी और बबली में एश्वर्या फिल्म के सुपरहिट गाने कजरा रे में नजर आईं थी। इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बचन भी नजर आए थे। कहा जाता है कि इसी दौरान अभिषेक और ऐश्वर्या करीब आए थे। दोनों के बीच प्यार की चिंगारी जल चुकी थी, लेकिन यह प्यार परवान चढ़ा साल बाद 2006 में आई फिल्म उमराव जान की शूटिंग के दौरान।

वीकेंड पर फाइटर ने की शानदार कमाई, बॉक्स ऑफिस पर हनुमान का कमाल जारी

जनवरी में सिनेमाघरों में कई फिल्में रिलीज हुई हैं। इन फिल्मों में से कई का बॉक्स ऑफिस पर सिक्का चला। वहीं, कई फिल्मों को असफलता हाथ लगी। ऐसे में अब फिल्मी दुनिया के लोगों को फरवरी से काफी यादा उम्मीदें हैं। इस महीने में भी कई फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं, लेकिन उससे पहले सिनेमाघरों में लगी फिल्मों पर बात कर लेते है। गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हुई ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। वहीं, साउथ अभिनेता तेजा सजा की फिल्म हनुमान बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। तो चलिए जानते हैं कि रविवार को दोनों फिल्मों का कैसा हाल रहा... **फाइटर** ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर 'फाइटर' गणतंत्र दिवस के मौके पर 25 जनवरी को रिलीज हुई थी। फाइटर ने टिकट विंडो पर 22.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। इसके बाद फिल्म ने दूसरे दिन रफ्तार पकड़ी और 39.5 करोड़ की कमाई की। एयरफोर्स पर आधारित इस फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो गया है। पहले हफ्ते में फिल्म ने 146.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, अब ये फिल्म दूरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन और वॉयकॉम18 स्टूडियोज-मारफ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले बनी फिल्म फाइटर दूसरे हफ्ते में अछा प्रदर्शन कर रही है। वीकेंड पर ऋतिक रोशन की फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिली है। शनिवार को फिल्म ने 10.5 करोड़ का कारोबार किया था। वहीं, रविवार यानी कि 11वें दिन फिल्म ने 13 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ ही फाइटर ने बॉक्स ऑफिस पर 11 दिनों में 175.75 करोड़ रुपये की कमाई कर ली। हनुमान तेजा सजा की फिल्म हनुमान कमाई के मामले में शुरुआत से ही जबर्दस्त प्रदर्शन कर रही है। बॉक्स ऑफिस पर तीन हफ्ते बाद भी हनुमान का ब्लॉकबस्टर प्रदर्शन जारी है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 99.85 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 58.65 करोड़ रुपये बटोर डाले थे। वहीं, तीसरे हफ्ते में फिल्म ने अपना जलवा जारी रखते हुए 29.95 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं, अब फिल्म चौथे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है।

दर्शन जरीवाला का CINTAA उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा कोलकाता की महिला ने लगाया था ये गंभीर आरोप

इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता दर्शन जरीवाला ने सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और कार्यकारी सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया है। जरीवाला पर कोलकाता की एक महिला ने रिश्ते में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, जिसके एक माह के बाद जरीवाला ने अपना इस्तीफा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जरीवाला ने महिला के खिलाफ मानहानी का मुकदमा दायर किया है।

महिला ने लगाए गंभीर आरोप दरअसल, कोलकाता की एक महिला ने जरीवाला पर आरोप लगाया है कि उन्होंने गंधर्व विवाह के माध्यम से एक मंदिर में उससे शादी की इसके बाद महिला के गर्भवती होने पर उसे अपनाने से इंकार कर दिया। वहीं, इस मामले को लेकर सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन के महासचिव अभिनेता अमित बहल ने कहा, यह विवाद सीआईएनटीएए की प्रतिष्ठा

को प्रभावित कर रहा था, इसलिए उन्होंने सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन के सभी तीन पदों से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वह महिला हमारी सदस्य नहीं है, लेकिन हमारे कई सहकर्मी सोशल मीडिया पर उसके मित्र हैं और उससे परेशान हो रहे थे। **कोलकाता मे जरीवाला के खिलाफ एफआईआर** मामले में महिला ने रिश्ते में धोखाधड़ी के आरोप में जरीवाला के खिलाफ कोलकाता के एक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक जरीवाला ने भी महिला के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है। गौरतलब है कि दर्शन जरीवाला हिंदी और गुजराती फिल्मों के जाने-माने अभिनेता हैं। उन्होंने कई हिंदी वेब शो में भी अभिनय किया है। अपने दो दशक से अधिक के करियर में जरीवाला ने 90 से अधिक प्रोजेक्ट में काम किया। उनकी आखिरी गुजराती फिल्म कामथान दो दिन पहले ही शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

इस हफ्ते मिलेगा हंसी-ठहाकों के साथ क्राइम-थ्रिलर का मजा, ओटीटी पर रिलीज होंगी ये फिल्में-सीरीज

दर्शकों के लिए हर हफ्ते ओटीटी पर कुछ धमाकेदार फिल्में और सीरीज रिलीज होती हैं, जो दर्शकों का दिन बना देती हैं। समय की कमी के कारण अगर आप सिनेमाघरों में जाकर दो से ढाई घंटे तक बैठकर फिल्में नहीं देख सकते हैं तो ओटीटी आपके लिए अछा ऑप्शन है। हर हफ्ते की तरह इस हफ्ते भी ओटीटी पर खूब सारी फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं। ऐसे में आप हाल ही में रिलीज हुई फिल्मों का मजा ओटीटी पर उठा सकते हैं। चलिए आपको बताते हैं कि आपकी पसंदीदा फिल्में और वेब सीरीज कहां और कब रिलीज होंगी?

एक के बाद एक 15 फ्लॉप फिल्में

फिर भी हार नहीं माना इस स्टार ने... आज हैं बॉलीवुड के गुरु!

बॉलीवुड में जब भी कोई स्टार किड डेब्यू करता है तो उससे उम्मीद की जाती है कि वे बिलकुल अपने माता-पिता के जैसी ही एक्टिंग करेंगे। दर्शक भूल जाते हैं कि समय के साथ ही कोई स्टार परिपक्व होता है। आज हम बॉलीवुड के एक ऐसे ही स्टार किड के बारे में बात करने जा रहे हैं, जिन्होंने एक के बाद एक 15 फ्लॉप फिल्में दीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं माना...

अमिताभ बचन से हुई तुलना

अमिताभ बचन बॉलीवुड में महानायक के नाम से जाने जाते हैं। ऐसे में उनके बेटे अभिषेक बचन ने जब बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया तब उनकी तुलना सीधे अमिताभ बचन से की गई। अभिषेक की पहली फिल्म से ही दर्शकों को यह उम्मीद थी कि वे एकदम अपने पिता की तरह एक्टिंग में मंझे हुए होंगे, लेकिन दर्शकों को निराशा हाथ लगी और उनकी पहली फिल्म रिफ्यूजी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई।

एक साथ 15 फ्लॉप फिल्म देने का रिकॉर्ड

अभिषेक बचन ने अपने करियर की शुरुआत साल 2000 में आई फिल्म रिफ्यूजी से किया था। उनकी पहली ही फिल्म सुपर फ्लॉप हुई। इसके बाद उन्होंने अगले चार साल तक सिर्फ फ्लॉप फिल्में ही दिए। इन फिल्मों की लिस्ट में तेरा जादू चल गया, ढाई अक्षर प्रेम के बस इतना सा ख्वाब है जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं।

तुम पिता का नाम खराब कर रहे हो...

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिषेक ने एक किसी इंटरव्यू में कहा था कि, मेरी एक फिल्म देखने के बाद एक महिला सिनेमाहॉल से बाहर आईं और उन्होंने मुझे थप्पड़ मारते हुए कहा कि तुम्हे एक्टिंग छोड़ देनी चाहिए। तुम अपने पिता का नाम खराब कर रहे हो।

गुरु बनकर हासिल किया सुपरस्टार का रुतबा

अभिषेक बचन अपनी फ्लॉप फिल्मों से कभी घबराए नहीं। उन्होंने लगातार अपने आप पर मेहनत किया और फिर उनकी फिल्में हिट होनी शुरू हो गईं। युवा, बंटी और बबली, गुरु जैसी फिल्में देकर अभिषेक ने अपने अभिनय का लोहा सबको मनवा दिया। आज अभिषेक बचन की गिनती बॉलीवुड के कुशल अभिनेताओं में होती है। पिता अमिताभ बचन को बेटे अभिषेक पर बेहद गर्व है।

जीएसटी फॉड करने वालों पर केंद्र सरकार का शिकंजा, 1700 केस हुए दर्ज, 98 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। जीएसटी फ्रॉड करने वालों पर केंद्र सरकार का शिकंजा कसता जा रहा है. चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाही में केंद्र सरकार ने फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट के देश भर में 1700 फर्जी मामलों में धरपकड़ की. आईटीसी सिंडिकेट बनाकर इन लोगों ने लगभग 18 हजार करोड़ रुपये का चूना सरकार को लगाया था. इन जीएसटी के फर्जी मामलों में 98 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है. यह कार्रवाई डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस ने की.

चालू वित्त वर्ष के 9 महीनों में हुई यह धरपकड़- पीआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, डीजीजीआई ने अप्रैल 2023 से लेकर दिसंबर, 2023 तक लगातार इन फर्जी सिंडिकेट की धरपकड़ की. चालू वित्त वर्ष में जीएसटी इंटेलिजेंस का पूरा जोर फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट ले रहे लोगों पर रहा है. डीजीजीआई ने देशभर से ऐसे सिंडिकेट चला रहे लोगों की धरपकड़ की है. टैक्स चोरी करने वालों के खिलाफ शिकंजा कसने में एडवांस टेक्नोलॉजी ने जीएसटी इंटेलिजेंस की बहुत मदद की. डाटा एनालिसिस से ऐसे केस पकड़ने में काफी आसानी हो गई.

नौकरी, कमीशन या बैंक लोन के नाम पर हो रही थी धोखाधड़ी-यह टैक्स सिंडिकेट भोले भाले लोगों को फंसाते हैं. ये सिंडिकेट इन लोगों से नौकरी, कमीशन या बैंक लोन के नाम पर दस्तावेज जुटा लेते हैं. फिर इन्हीं दस्तावेज का इस्तेमाल करके बिना उनकी जानकारी या सहमति के फर्जी कंपनियां (शेल कंपनियां) बनाई जाती हैं. कुछ मामलों में उन्हें कुछ लाभ देकर सहमति भी ली गई थी.

सिरसा सिंडिकेट ने किया 1100 करोड़ का फर्जीवाड़ा

जानकारी के अनुसार ऐसा ही एक बड़ा सिंडिकेट हरियाणा के सिरसा से चलाया जा रहा था. ई-वे बिल पोर्टल का इस्तेमाल करके इसका पता लगाया गया. जांच से पता चला कि दिल्ली की एसडी ट्रेडर्स कोई भी सप्लाई नहीं ले रही थी. फिर भी वह बड़ी संख्या में ई-वे बिल जारी कर रहे थे. जांच के दौरान दिल्ली और हरियाणा की 38 फर्जी कंपनियों का पता चला. इसके बाद सिरसा में छापेमारी के बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि इन सभी ने मिलकर सरकार को लगभग 1100 करोड़ रुपये का चूना लगाया है.

294 फर्जी कंपनियां बनाकर 1033 करोड़ रुपये हड़पे

एक अन्य रोचक केस जयपुर, राजस्थान से सामने आया. इसने सोनीपत और दिल्ली की कुछ फर्जी कंपनियों से आईटीसी लिया था जबकि किसी सामान की खरीद फरोख्त नहीं हुई थी. इसके बाद फर्जी कंपनियां बनाने, चलाने और बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ. इन लोगों ने मिलकर लगभग 294 फर्जी कंपनियां बनाकर 1033 करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा किया. इस तरह के मामले पूरे देश में सामने आए हैं. डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस ने कहा है कि वह आगे भी जीएसटी फर्जीवाड़े में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते रहेंगे.

भारत में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा कॉपर प्लांट, 10,000 करोड़ का होगा निवेश

नई दिल्ली- अरबपति कारोबारी गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी समूह गुजरात के मुंद्रा में दुनिया का सबसे बड़ा कॉपर प्रोडक्शन प्लांट बना रहा है. खबरों के अनुसार, इस संयंत्र से आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने और ऊर्जा बदलाव में मदद मिलेगी. मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर (9959 करोड़ रुपये) के निवेश से तैयार हो रहा यह संयंत्र मार्च के अंत तक पहले चरण का परिचालन शुरू कर देगा. उन्होंने बताया कि संयंत्र मार्च, 2029 तक पूर्ण पैमाने पर 10 लाख टन क्षमता के साथ परिचालन शुरू करेगा. चीन और अन्य देशों की तरह भारत भी कॉपर का उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण धातु है। ऊर्जा बदलाव के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों जैसे इलेक्ट्रिक वाहन, चार्जिंग अवसंरचना, सौर फोटोवोल्टिक, पवन ऊर्जा और बैटरी सभी में तांबे की जरूरत होती है. कॉपर रिफाइनरी- अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी कच्छ कॉपर लिमिटेड दो चरण में 10 लाख टन सालाना क्षमता वाली कॉपर रिफाइनरी परियोजना स्थापित कर रही है. पहले चरण में पांच लाख टन प्रति वर्ष की क्षमता शुरू की जाएगी. इसके लिए केसीएल ने जून, 2022 में वित्तपोषण हासिल किया था. भारत में तांबे की खपत बढ़ाना लक्ष्य- सूत्रों में से एक ने कहा, ''अडाणी समूह संसाधन कारोबार, लॉजिस्टिक, नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में अपनी मजबूत स्थिति का लाभ उठाकर तांबे के कारोबार में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनना चाहता है.'' उन्होंने कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति तांबे की खपत लगभग 600 ग्राम है, जबकि वैश्विक औसत 3.2 किलोग्राम है.

चीन को फिर लगा झटका, भारत के खिलौनों से खेलेगा अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका

नई दिल्ली- चीनी खिलौनों की डिमांड पूरी दुनिया में होती है. अमेरिका, यूरोप और दुनिया के बाकी हिस्सों के बाजार चीनी खिलौनों से पटे पड़े हैं. जर्मनी के न्यूरमबर्ग शहर में इंटरनेशनल टॉय फेयर लगा हुआ है. जहां पर भारत के खिलौनों की धूम मची हुई है. जिसकी वजह से चीन को मिर्ची लगी हुई है. यहां तक कि पांच दिन के अंतरराष्ट्रीय खिलौना मेले में भाग लेने वाले भारतीय टॉय मेकर्स को करोड़ों रुपए के ऑर्डर मिले हैं. टॉय एक्सपोर्टर्स ने यह जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय मेकर्स ने मेले में हाई क्वालिटी के परफॉर्मेंस दिया है. इसका मतलब है कि अब अमेरिका से लेकर यूरोप और अफ्रीका तक भारतीय खिलौलों से खेलने के लिए तैयार है.

भारत की इंटरनेशनल टॉय फेयर में धूम

उनके अनुसार, अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और जर्मनी जैसे देशों के खरीदारों ने उनके उत्पादों में रुचि दिखाई और अच्छी संख्या में ऑर्डर दिए. न्यूरमबर्ग इंटरनेशनल टॉय फेयर तीन फरवरी को संपन्न हुआ. दुनिया के सबसे बड़े खिलौना मेलों में शामिल इस आयोजन में 65 से अधिक देशों के 2,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए. ग्रेटर नोएडा स्थित लिटिल जीनियस टॉयज प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ नरेश कुमार गौतम ने कहा कि हमारे प्रोडक्ट्स को भारी सराहना मिली. चाहे वह लकड़ी के शिक्षाप्रद खिलौने हों या सॉफ्ट टॉयज. चीनी खिलौनों के प्रति एक मजबूत चीन विरोधी भावना थी और भारतीय खिलौनों की सराहना की गई. उन्होंने कहा कि दो चीनी कंपनियों ने खिलौना विनिर्माण के लिए भारत में लिटिल जीनियस के साथ ज्वाइंट वेंचर स्थापित करने में दिलचस्पी दिखाई है.

इंपोर्ट में 52 फीसदी की कमी

वाणिज्य और राज्य मंत्री उद्योग सोम प्रकाश ने राज्यसभा को दी जानकारी के अनुसार टॉय इंडस्ट्री के लिए सरकार द्वारा बनाए गए अनुकूल मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम की वजह से वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2022-23 तक खिलौनों के कुल इंपोर्ट में 52 फीसदी की कमी और खिलौनों के निर्यात में 239 फीसदी की वृद्धि हुई है. 'मेड इन इंडिया खिलौनों' को बढ़ावा देने के लिए एक सक्रिय अभियान के साथ-साथ भारतीय मूल्यों, संस्कृति और इतिहास के आधार पर खिलौनों की डिजाइनिंग को प्रोत्साहित करने के उपायों, सीखने के संसाधन के रूप में खिलौनों के उपयोग से वांछित परिणाम मिले हैं.

कितना इंपोर्ट और एक्सपोर्ट

सरकार खिलौनों की क्वालिटी की निगरानी, घटिया और असुरक्षित खिलौनों के इंपोर्ट को प्रतिबंधित करने और स्वदेशी खिलौना समूहों को बढ़ावा देने के साथ-साथ टॉय डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए हैकथॉन और ग्रैंड चैलेंजेस का भी आयोजन कर रही है. इस कैंपेन से टॉय इंडस्ट्री में जबरदस्त ग्रोथ देखने को मिला है. वित्तीय वर्ष 2014-15 में खिलौनों का कुल इंपोर्ट 332.55 मिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर वित्तीय वर्ष 2022-23 में 158.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है. अगर बात एक्सपोर्ट की करें तो वित्त वर्ष 2014-15 में 96.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 325.72 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है.

यूआईआईसी एओ भर्ती परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी, 13 को है एग्जाम इस लिंक से करें डाउनलोड

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (यूआईआईसी) ने प्रशासनिक अधिकारी-स्केल (जनरलिस्ट) परीक्षा 2024 के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। जिन भी उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था, वे आधिकारिक वेबसाइट uiic.co.in से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने चरण नीचे बताए गए हैं। भर्ती अभियान का लक्ष्य कुल 250 एओ रिक्तियों को भरना है। यूआईआईसी एओ भर्ती परीक्षा 13 फरवरी, 2024 को आयोजित होने वाली है। परीक्षा 2 घंटे की अवधि के लिए आयोजित की जाएगी, जिसमें 200 अंकों के 200 प्रश्न होंगे। अंग्रेजी भाषा को छोड़कर वस्तुनिष्ठ परीक्षण द्विभाषी (अंग्रेजी और हिंदी में) होंगे। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न के लिए निर्धारित अंकों में से एक चौथाई अंक दंड के रूप में काट लिया जाएगा, यानी एक गलत प्रश्न के लिए 1/4 अंकों की निगेटिव मार्किंग होगी। बिना अटेम्प्ट किए गए प्रश्नों के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। योग्य उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन परीक्षा और साक्षात्कार में समग्र प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

बॉलीवुड की अभिनेत्री अनुष्का-विराट दूसरी बार बनेंगे माता-पिता

मुंबई बॉलीवुड की अभिनेत्री अनुष्का शर्मा पिछले कुछ दिनों से मनोरंजन उद्योग से दूर हैं। अनुष्का इस समय अपनी पर्सनल लाइफ के कारण खबरों में हैं। अनुष्का शर्मा और क्रिकेटर विराट कोहली दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। पूर्व खिलाड़ी एबी डिविलियर्स ने खबर शेयर की है। अनुष्का शर्मा दूसरी बार मां बनने वाली हैं। इस बारे में अभी तक न तो एक्ट्रेस और न ही विराट कोहली ने कोई आधिकारिक जानकारी दी है लेकिन विराट के दोस्त और साउथ अफ्रीका के इंटरनेशनल क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने अनुष्का की प्रेग्नेंसी पर कमेंट किया है।साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एबी विलियर्स का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें डिविलियर्स ने कहा कि विराट कोहली इस समय अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। अनुष्का और विराट दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। विराट और एबी डिविलियर्स अच्छे दोस्त हैं। अनुष्का दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं। तो फैंस की खुशी सातवें आसमान पर पहुंच गई है। विराट-अनुष्का के घर में दूसरी बार होगा बदलाव। अनुष्का-विराट 2017 में शादी के बंधन में बंधे। अनुष्का ने 2021 में वामिका को जन्म दिया। उन्होंने हाल ही में अपनी प्यारी बेटी का तीसरा जन्मदिन मनाया। अनुष्का की फिल्म चकदा एक्सप्रेस जल्द ही पर्दे पर आएगी। इस फिल्म में वह भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की भूमिका में नजर आएंगी। कुछ दिनों पहले विरुष्का (विराट-अनुष्का) को एक मैटर्निटी क्लीनिक के बाहर स्पॉट किया गया था। उस वक्त उन्होंने पैपराजी से फोटो लीक न करने की रिक्वेस्ट की थी। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही इस संबंध में घोषणा करेंगे।

दूसरी पारी में इंग्लैंड 67 पर एक विकेट, भारत जीत से 9 विकेट दूर

विशाखापत्तनम। भारत और इंग्लैंड के बीच विशाखापत्तनम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 1 विकेट पर 67 रन बना लिए हैं। जैक क्राउली 29 रन और रेहान अहमद नौ रन बनाकर खेल रहे हैं। भारतीय टीम को यह मैच जीतने के लिए नौ विकेट चाहिए। वहीं इंग्लैंड की टीम को मैच जीत के लिए अभी भी 332 रन की जरूरत है। दूसरी पारी में इंग्लैंड ने तेज शुरुआत की। जैक क्राउली और बेन डकेट ने तेजी से रन बटोरे। रविचंद्रन अश्विन ने बेन डकेट को आउट कर इंग्लैंड को पहला झटका दिया। डकेट ने 28 रन बनाए। इसके बाद तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 1 विकेट पर 67 रन बना लिए हैं। जैक क्राउली 29 रन और रेहान अहमद 9 रन के साथ क्रिज पर हैं। इससे पहले तीसरे दिन भारतीय टीम की दूसरी पारी 255 रनों पर सिमट गई। दूसरी पारी में भारत के लिए शुभमन गिल ने शतक जड़ते हुए सबसे ज्यादा 104 रन बनाए। गिल के अलावा अक्षर पटेल ने 45 रन और रविचंद्रन अश्विन ने 29 रन का योगदान दिया। ूसरी पारी में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान रोहित शर्मा 13 रन और यशस्वी जायसवाल 17 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने बेहतरीन साझेदारी कर टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया। हालांकि ये साझेदारी लंबी नहीं चल पाई। टीम के 111 रन के कुल स्कोर पर श्रेयस अय्यर 29 रन बनाकर आउट हो गए। 122 रन पर भारत का चौथा विकेट गिरा। रजत पाटीदार मात्र नौ रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद गिल ने अक्षर पटेल के साथ स्कोर बोर्ड को आगे बढ़ाया। इस बीच गिल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट करियर का तीसरा शतक जड़ दिया। हालांकि, गिल अपने शतक को और बड़ा नहीं कर पाए। गिल 147 गेंदों में 104 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम का 220 रन पर छठा विकेट गिरा है। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे अक्षर पटेल अपने अर्धशतक से चूक गए और उन्होंने 84 गेंद में 45 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं जोड़ पाए। पूरी टीम 255 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीकर भरत ने 6 रन, रविचंद्रन अश्विन 29 रन, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह खाता भी नहीं खोल सके। इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में टॉम हार्टले ने 4, रेहान अहमद ने 3, जेम्स एंडरसन ने 2 और शोएब बसीर ने एक विकेट लिया।

भारत ने पहली पारी में 396 रन बनाए- मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। भारत ने अपनी पहली पारी में 396 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने बेहतरीन दोहरा शतक जड़ा। जायसवाल ने 290 गेंदों का सामना किया और 19 चौके और सात छक्कों की मदद से 209 रन बनाए। जायसवाल के अलावा शुभमन गिल (34), रजत पाटीदार (32), श्रेयस अय्यर (27), अक्षर पटेल (27) और रविचंद्रन अश्विन (20) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिये। इंग्लैंड की तरफ से शोएब बसीर, रेहान अहमद और जेम्स एंडरसन ने 3-3 व टॉम हार्टले ने 1 विकेट लिया।

इंग्लैंड की पहली पारी 253 रन पर सिमटी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (15.5 ओवर 45 रन देकर 6 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 253 रनों पर सिमट गई। पहली पारी के आधार पर भारत को 143 रनों की बढ़त मिली। इंग्लैंड के लिए पहली पारी में जैक क्रॉली ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 76 रन बनाए। क्रॉली ने इस दौरान उन्होंने 78 गेंदों का सामना किया और 11 चौके और 2 छक्के लगाए। क्रॉली के अलावा कप्तान बेन स्टोक्स ने 47 रन बनाए। बेन डकेट (21), ओली पोप (23), जॉनी बेयरस्टो (25) और टॉम हार्टले (21) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 6, कुलदीप यादव ने 3 और अक्षर पटेल ने 1 विकेट लिया।

क्रश को करना इंप्रेस तो इस तरह से हों तैयार, देखकर सामने वाला हो जाएगा फिदा

साल के दूसरे महीने यानी कि फरवरी में वैलेंटाइन डे आता है, जो हर प्रेमी जोड़े के लिए काफी खास होता है। इस खास दिन को और खास बनाने के लिए कपल्स एक-दूसरे को तोहफा देते हैं, और उन्हें उनके खास होने का एहसास कराते हैं। वैलेंटाइन डे तो 14 जनवरी को मनाया जाता है, लेकिन इस दिन से ठीक एक हफ्ते पहले यानी कि 7 फरवरी से वैलेंटाइन वीक की शुरुआत हो जाती है। वैलेंटाइन वीक का हर दिन बेहद खास होता है। इन सात दिनों में आप अपने पार्टनर को उनके स्पेशल होने का एहसास करा सकते हैं। खास तौर पर अगर आप किसी को पसंद करती हैं, तो वैलेंटाइन वीक शुरू होने से पहले अपने क्रश को इंप्रेस कर सकती हैं। बहुत सी लड़कियों को ये समझ नहीं आता कि वो क्रश के सामने कैसे जाएं, तो इसके लिए हम आपको आइडिया देने जा रहे हैं, ताकि क्रश के सामने भी आपका आत्मविश्वास बना रहे। ज्यादातर लड़कों को लड़कियों का सादगी भरा लुक ही पसंद आता है। ऐसे में अपने क्रश के सामने हमेशा सादगी भरे लुक में ही जाएं। खासतौर पर अगर आप अपने क्रश के साथ पहली बार कहीं घूमने जा रही हैं, तो अपने लुक का खास ध्यान रखें।ज्यादा भड़कीले कपड़े आपके लुक को खराब कर सकते हैं। ऐसे में कोशिश करें, कि ज्यादा चमक-धमक या चमकीले कपड़ों से दूर ही रहें। उनकी जगह आप थोड़ा सिंपल कपड़ों को चुन सकते हैं। अपने क्रश के सामने कभी ऐसे कपड़े पहनकर ना जाएं, जिसे पहनकर आप खुद असहज हों। कपड़े हमेशा ऐसे होने चाहिए, जिसे पहनकर आपको किसी तरह की कोई परेशानी ना हो। अगर आप अपने व्यक्तित्व के विपरीत जाकर किसी को इंप्रेस करने के लिए तैयार होंगी, तो ये आपके लिए भी खराब हो सकता है। ऐसे में क्रश को इंप्रेस करने के लिए तैयार तो हों, लेकिन खुद को बदलने की कोशिश कतई ना करें।

बड़वानी में लोकसभा सांसद गजेंद्रसिंह पटेल ने बजट में रेल लाइन के लिए प्रावधान का किया स्वागत

गजेंद्रसिंह पटेल ने कहा यह बजट विकास और समृद्धि का बजट है

बड़वानी, हाल ही में देश की वित्त मंत्री द्वारा मौजूदा सरकार का अंतरिम बजट पेश किया गया। लोकसभा क्षेत्र के खरगोन बडवानी सांसद गजेंद्रसिंह पटेल ने इस बजट का स्वागत करते हुए अपने क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यह बजट विकास और समृद्धि का बजट है। उन्होंने कहा कि इस बजट में संसदीय क्षेत्र खरगोंन बड़वानी की सबसे महत्वपूर्ण मांग रेल लाइन की है जिसको इस बजट में स्थान मिला है।

पत्रकारों से बात करते हुए बडवानी सांसद गजेंद्रसिंह पटेल ने कहा, यह बजट हमारे और हमारे क्षेत्र के लिए बेहद ख़ास है। इंदौर मनमाड़ रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु 716 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बजट में पारित हुए राशि से उक्त परियोजना को और गति मिलेगी जिससे निमाड़ में अतिशीघ्र रेल आएगी। यह रेल लाइन निमाड़ क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह रेल लाइन क्षेत्र के लोगों को रेल सुविधा प्रदान करेगी और व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देगी। रेल लाइन के बनने से क्षेत्र के लोगों को आर्थिक रूप से लाभ होगा अंतरिम बजट की प्रशंसा करते हुए श्री पटेल ने आगे बताया, यह अंतरिम बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण का पर्याय है और यह आने वाले 23 वर्षों के लिए दिशा निर्धारित करता है, जब भारत स्वतंत्रता की एक शताब्दी मनाएगा। यह सरकार के सबका साथ, सबका विकास के आदर्श वाक्य के अनुरूप, गरीब, यवुा, अन्नदाता और नारी सभी को बजट में शामिल करता है। यह बजट सतत आर्थिक विकास और राजकोषीय मजबूती लाने के लिए कार्य किया। उच्च गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों और निराशाजनक कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ एक टूटी हुई अर्थव्यवस्था विरासत में मिलने के बावजूद, मोदी सरकार ने सार्वजनिक निवेश को प्रोत्साहित करने, धीरे-धीरे पूंजीगत व्यय परिव्यय में वृद्धि और लक्षित सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने की लक्षित त्रि-आयामी नीति के माध्यम से सकारात्मक राजकोषीय समकेन हासिल किया है। इन सक्रिय उपायों के परिणामस्वरूप, राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.1% तक कम रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 5.9% था। इसने देश को वित्तय वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय समेकन पूरा करने की स्थिति में ला दिया है, राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.5% से कम होने की उम्मीद है। भारत को 2014 से पहले की नाजुक अर्थव्यवस्था से आर्थिक प्रबंधन में विश्व नेता बनाने के मोदी सरकार के प्रयासों को रेखांकित करने के लिए, सरकार कुप्रबंधन के पिछले दौर से सबक लेने के लिए संसद के समक्ष एक श्वेत पत्र रखेगी। दीर्घकालिक विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर खर्च का बजट बढ़ाकर 11,11,111 करोड़ कर दिया गया है जो देश के सकल घरेलु उत्पाद का 3.4% है। महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर खर्च चार गुना बढ़ाया गया है, और इस वृद्धि से आधारभूत संरचना और सामाजिक विकास सहित अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों पर लगभग 2.45 गुना सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। मोदी सरकार ने देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। जिसका एक उल्लखेनीय उदाहरण हवाई अड्डों की संख्या में वृद्धि, मध्यम वर्ग के लिए सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए 40,000 सामान्य रेल बोगियों को वंदे भारत रेलगाड़ी के मानकों के हिसाब से परिवर्तित किया जाएगा एवं रेलवे कॉरिडोर भी प्रस्तावित किए गए हैं।सांसद पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने निमाड़ क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण मांग को पूरा किया है।

दमोह में परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुये जिला दण्डाधिकारी मयंक अग्रवाल ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के प्रावधानों के तहत किया आदेश जारी

नकल, सामूहिक नकल, गोपनीयता भंग करने का प्रयास करते पाये जाने पर एफ.आई.आर. दर्ज कराई जायेगी

दमोह, माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के तहत कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की बोर्ड परीक्षाएं 05 फरवरी 2024 से प्रारंभ होकर 05 मार्च 2024 तक प्रातः 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिलान्तर्गत 83 परीक्षा केंद्रो पर आयोजित होगी। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु ध्वनि विस्तारक यंत्रों एवं अन्य प्रतिबंध लगाना आवश्यक हैं। दमोह में परीक्षा केंद्रो पर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144(2) के तहत निषेधाज्ञा जारी करना आवश्यक मानते हुये तथा दमोह जिले में परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए जिला दण्डाधिकारी मयंक अग्रवाल ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के प्रावधानों के तहत आदेश जारी किया हैं।

यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144(2) के अंतर्गत एक पक्षीय रूप से पारित किया गया है। यदि कोई उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करते हुये पाया जाता है तो उसके विरूद्ध भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत अभियोजन किया जायेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

जारी आदेश में कहा गया है शासन एवं मंडल निर्देशों के अनुक्रम में चयनित संवेदनशील/अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 अनुसार निषेधाज्ञा लागू होने उपरांत ऐसा करने से प्रशासन को 05 या उससे अधिक लोगों की अनाधिकृत मौजूगी परीक्षा केंद्र के आस-पास होने की दशा में उन्हें तितर-बितर/गिरफ्तार करने की सख्त कानूनी अधिकारी प्राप्त हो जायेंगे।

मध्यप्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 के प्रावधानानुसार परीक्षा प्रारंभ होने के दो घण्टे पूर्व से लेकर परीक्षा पूर्ण होने तक परीक्षा केंद्रो से 100 गज की दूरी के अन्दर किसी अनाधिकृत व्यक्तियों तथा अवांछनीय गतिविधियों पर रोक रहेगी। अनाधिकृत व्यक्तियों का बेमतलब प्रवेश या घूमने, कागज या अन्य वस्तुओं का वितरण या प्रचार प्रसार ऐसी वस्तुओं का उपयोग जिसका प्रयोग आक्रामक आयुध के रूप में किया जा सकता हैं, परीक्षा से संबंधित अधिकारी/वीक्षक (इन्वीजिलेटर)/कर्मचारीगण को डराने का प्रयास इत्यादि का उल्लेख हैं। प्रत्येक केद्र में इस विषय में सतर्क रहना आवश्यक है। परीक्षा केंद्र पर अनाधिकृत व्यक्तियों तथा अवांछनीय गतिविधियों पर पूर्णत: रोक रहेगी।

इसी प्रकार नकल, सामूहिक नकल, गोपनीयता भंग करने का प्रयास, सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक जानकारी फैलाने का प्रयास करते पाया जाता है तो उनके विरूद्ध अन्य सुसंगत अधिनियमों के साथ-साथ परीक्षा अधिनियम 1937 की धाराओं के तहत पुलिस में एफ.आई.आर. दर्ज कराई जायेगी। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि छात्र-छात्राओं की तलाशी का कार्य शालीनता किन्तु दृढता से किया जाये। छात्राओं की तलाशी सिर्फ शिक्षिकाओं द्वारा ही की जाये। तलाशी का कार्य परीक्षा कक्ष के अंदर किसी वर्दीधारी व्यक्ति द्वारा कतई न किया जाए। सुरक्षा व्यवस्था के बाबजूद यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्थान सामूहिक नकल करने अथवा कराने में लिप्त पाया जाता है, तो ऐसे व्यक्तियों को चिन्हांकित किया जाकर उसके विरूद्ध मध्यप्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 तथा अन्य संगत अधिनियमों के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

विद्यार्थियों के लिये परीक्षा की तैयारी हेतु अनुकूल वातारण को दृष्टिगत रखते हुये ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल की कक्षा 10 वीं, 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं हेतु दमोह जिले के परीक्षा केंद्रो की परिधि से 200 मीटर की परिधि में ध्वनि विस्तारक यंत्र के साथ-साथ उक्तानुसार पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। चूंकि यह आदेश परीक्षार्थियों की सहूलियत व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये जारी किया गया है तथा इतना समय उपलब्ध नही है कि जनसामान्य व इससे संबंधित सभी पक्षों को उक्त सूचना की तामीली की जा सकें।

जिला कलेक्टर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत मोबाइल फ़ूड टेस्टिंग लैबोरेटरी की सहायता से खाद्य प्रतिष्ठानों में बिक रही खाद्य सामग्री की करी गई ऑन द स्पॉट जांच

मोबाइल फ़ूड टेस्टिंग लैबोरेटरी की सहायता से परखी गई खाद्य सामग्री की गुणवत्ता

दमोह, कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला की सहायता से कार्यवाही करते हुए हटा, पटेरा एवं दमोह शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण कार्यवाही करते हुये खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। सी.एम. हेल्पलाइन में दर्ज शिकायत के आधार पर पटेरा नगर स्थित रत्नम स्टेशनरी पर निरीक्षण कार्यवाही की गई है। निरीक्षण में बालूसाई का नमूना जांच हेतु लिया गया। इन नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला (एम एफ टी एल) द्वारा हटा नगर में न्यू बजरंग होटल, फ्यूजन रेस्टोरेंट, अग्रोहा फूड्स एवं चंडी जी रेस्टोरेंट, पटेरा नगर स्थित लकी कोल्ड ड्रिंक्स, रत्नम स्टेशनरी, राहुल जैन किराना एवं दमोह शहर में मारूताल स्थित सी.के. ट्रेडर्स में संग्रहित पनीर, दही, बर्फी, दूध का हलवा, पेड़ा, दही, घी, गुजिया, नमकीन, बेसन पपड़ी, मगज लड्डू, कलाकंद, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, आटा, मैदा, बेसन, सौंफ, इलाइची, किशमिश, ड्राई फ्रूट्स, सोयाबीन तेल एवं सरसों तेल आदि की जांच की गई है। खाद्य प्रतिष्ठानों का ऑनलाइन निरीक्षण फॉस्कोस से किया गया है।

थाना प्रभारी आनंद सिंह ने मुस्लिम समाज के लोगो पर लिया एक्शन

उपद्र मचाने वाले करीब 40 लोगों पर मामला दर्ज

दमोह, शनिवार की शाम मुस्लिम समुदाय द्वारा सिटी कोतवाली में थाने का घेराव करने पर और शहर की फिजा बदलने की कोशिश करने वाले मुस्लिम समाज के करीब 40 लोगों पर एफआईआर दर्ज किए जाने की एसपी द्वारा खुलासा किया गया, बतादे कि सिटी कोतवाली में उपद्र मचाने वाले करीब 40 लोगों पर मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई की है, कल रात सिटी कोतवाली टीआई आनंद सिंह ने निडर होकर हजारों के बीच दम दिखाई

दमोह के कल्याणपुरा पहुँचे कलेक्टर मयंक अग्रवाल

पुनर्वास कालोनी में रह रहे लोगो की बातें व समस्याए जानी, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दमोह, कलेक्टर मयंक अग्रवाल कल दोपहर सीतानगर डैम स्थल पर पहुंचे। यहां पर उन्होंने सिंचाई के लिए बनाए गए पंप हाउस और खेत में सिंचाई के लिए 30 हेक्टर क्षेत्र में डिस्ट्रीब्यूशन हेतु बनाए गए ओ एम एस का अवलोकन किया और पूर्ण जानकारी कार्यपालन यंत्री से ली। कलेक्टर मयंक अग्रवाल खेतों में भी पहुंचे और साइट पर सिंचाई कैसे हो रही हैं, का अवलोकन किया। कलेक्टर मयंक अग्रवाल कल्याणपुरा में पुनर्वास कॉलोनी पहुंचे। यहां पर रह रहे परिवारों के लोगों से चर्चा की, उनके बातें सुनी और उनकी समस्याएं भी जानी। ग्राम वासियों ने पीने के पानी की समस्या से अवगत कराया, जिस पर कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने कार्यपालन यंत्री जल संसाधन शुभम अग्रवाल को समीप पीएचई के कुएं में जिस पर पानी का लेवल अच्छा हैं, मोटर डालकर यहां पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मूलभूत सुविधाए तथा अन्य समस्याओं की जानकारी लेकर सबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये।

शहडोल में लोकायुक्त की कार्रवाई

प्रधान आरक्षक को रिश्वत लेते रीवा लोकायुक्त ने कसा ट्रैप

शहडोल, शहडोल जिले में भ्रष्ट अधिकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है। लगातार लोकायुक्त द्वारा ऐसे भ्रष्ट अफसरों की धर पकड़ की जा रही है। बाबजुद इसके घूसखोर अधिकारी अपनी हरकतों से बाज नही आ रहे है। ऐसा ही मारपीट के मामले में थाने से जमानत देने की एवज पर 2000 की रिश्वत लेते रंगे हाथों प्रधान आरक्षक को रीवा लोकायुक्त की टीम ने ट्रैप किया है। रिश्वत के यह रुपए एक बिचौलिए के माध्यम से लिए जा रहे थे जिसे भी लोकायुक्त की टीम ने पकड़ा है। इस पूरे मामले में पपौन्ध थाने में पदस्थ एक महिला आरक्षक पति भी रिश्वत लेने में शामिल था, उक्त प्राइवेट व्यक्ति थाने में दलाली का काम करता है।

शिकायतकर्ता रामनरेश जायसवाल निवासी ग्राम न्यू सपटा थाना पापोंध जिला शहडोल ने लोकायुक्त कार्यालय रीवा में आकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका विवाद गांव के ही अमृतलाल जायसवाल से

पांच जनवरी को हो गया था जिसकी रिपोर्ट वह थाने में लिखवाने गया था लेकिन प्रधान आरक्षक द्वारा थाने में उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई जबकि उसी के विरुद्ध आरोपी अमृतलाल की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कर ली गई इसी मामले में उसने प्रधान आरक्षक अनिल शर्मा से जमानत देने की बात कही थी जिसके एवज में प्रधान आरक्षक अनिल शर्मा ने 5 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी और बतौर एडवांस 3 हजार रुपए पूर्व में ही ले लिए थे इस पूरे मामले की शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त एसपी गोपाल सिंह धाकड़ ने शिकायत को सत्यापित कराया और उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण सिंह परिहार निरीक्षक प्रमेंद्र कुमार के नेतृत्व में 15 सदस्य टीम गठित कर आज ट्रैप की कार्रवाई कराई बताया गया है कि प्रधान आरक्षक अनिल शर्मा अपने एक प्राइवेट व्यक्ति पवन सिंह निवासी बहादुरपुर तहसील लालगंज जिला रायबरेली उत्तर प्रदेश के माध्यम से रिश्वत के यह रुपए ले रहा था इसी दौरान लोकायुक्त की टीम ने दोनों को धर दबोचा बताया गया है कि लोकायुक्त पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कल से शुरू हो रही है माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा

एमपी के शहडोल में बनाए गये है कुल 57 परीक्षा केंद्र

शहडोल, मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा कल से शुरू हो रही है शहडोल जिले में बोर्ड परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली गयीं है। 10वी की परीक्षा पांच फरवरी और 12वी की छह फरवरी से शुरू होगी। परीक्षा के लिए कुल 57 परीक्षा केंद्र बनाए गये है। इस बार की परीक्षा में 10वी और 12वी के नियमित और प्राइवेट परीक्षार्थियो की कुलसँख्या 24800 के लगभग है। परीक्षा केंद्रों में भी सभी तैयारी हो चुकी है। परीक्षा संचालित करने के लिए केन्द्राध्यक्षो की ड्यूटी लगाई गई है। प्रसाशन ने नकल रोकने के लिए फ्लाइंग स्कॉट का भी गठन किया है जो परीक्षा के दौरान निगरानी रखेंगे। परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा केलिए पोलिस बल भी तैनात रहेगा।

यांग हेंगजुन - ऑस्ट्रेलियाई लेखक को चीन में दी गई मौत की सज़ा हुई सस्पेंड

इंटरनेशनल डेस्क= ऑस्ट्रेलियाई-चीनी लेखक यांग हेंगजुन को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के पांच साल बाद चीनी अदालत ने मौत की सजा को निलंबित कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री के मुताबिक, दो साल बाद सजा को उम्रकैद में बदला जा सकता है। डॉ. यांग जो एक विद्वान और उपन्यासकार जिन्होंने चीनी मामलों के बारे में ब्लॉग किया है - अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनकार करते हैं, जिन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। यांग को 2019 में गुआंगज़ौ हवाई अड्डे पर एक अज्ञात विदेशी देश के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। लोकतंत्र समर्थक ब्लॉगर एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक है जिसका जन्म चीन में हुआ था। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वोंग ने सोमवार को कहा कि सरकार इस फैसले से स्तब्ध थी, और उन्होंने कैनबरा की आपत्ति दर्ज कराने के लिए चीनी राजदूत को बुलाया था। चीन में यांग की हिरासत चीनी और ऑस्ट्रेलियाई सरकारों के बीच घर्षण का एक प्रमुख बिंदु रही है। वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने लगातार और उच्चतम स्तर पर उनकी वकालत की थी। वोंग ने कहा, ऑस्ट्रेलिया डॉ. यांग के हितों और भलाई के लिए हमारी वकालत से पीछे नहीं हटेगा। सभी ऑस्ट्रेलियाई डॉ. यांग को उनके परिवार से दोबारा मिलते हुए देखना चाहते हैं। सोमवार को सामने आई सजा को औपचारिक रूप से दो साल की सजा के साथ मौत की सजा के रूप में वर्णित किया गया है। यह एक अपेक्षाकृत सामान्य सजा है जो दो साल के अच्छे व्यवहार के बाद मौत की सजा को 25 साल या आजीवन कारावास में बदलने की अनुमति देती है। ऑस्ट्रेलिया में यांग के पीएचडी पर्यवेक्षक, एसोसिएट प्रोफेसर चोंगयी फेंग ने कहा कि यांग की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पूर्व छात्र की सजा अपमानजनक राजनीतिक उत्पीड़न थी। डॉ. यांग ने जासूसी का कोई अपराध नहीं किया। उन्हें चीन में मानवाधिकारों के हनन की आलोचना और मानवाधिकारों, लोकतंत्र और कानून के शासन जैसे सार्वभौमिक मूल्यों की वकालत के लिए चीनी सरकार द्वारा दंडित किया जा रहा है। फेंग ने कहा कि यांग की हिरासत, मुकदमा और सजा एक गंभीर अन्याय था, लेकिन डॉ. यांग खराब स्वास्थ्य के कारण अपील नहीं कर पाएंगे। 5 साल की मनमानी हिरासत और यातना ने उनके स्वास्थ्य पर भारी असर डाला है। वह अब गंभीर रूप से बीमार हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया से आग्रह किया कि वह यांग की तुरंत मेडिकल पैरोल पर ऑस्ट्रेलिया वापसी के लिए दबाव डाले, ताकि वह इलाज करा सके।

सरकार ने कनाडाई आवास की विदेशी खरीद पर प्रतिबंध बढ़ाया

विदेशी छात्राओं की बढ़ी मुश्किलें

इंटरनेशनल डेस्क = वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने एक विज्ञप्ति में घोषणा की है कनाडा सरकार विदेशी लोगों द्वारा घर खरीदने पर प्रतिबंध बढ़ा रही है। इस नियम को पहली बार 2022 में घोषित किया गया था, अब इसे 2027 तक बढ़ाया जाएगा। इसका असर अंतरराष्ट्रीय छात्रों, शरणार्थी दावेदारों और अस्थायी श्रमिकों पर पड़ेग। ये नियम विदेशी नागरिकों और वाणिज्यिक उद्यमों को कनाडा में आवासीय संपत्ति खरीदने पर प्रतिबंध लगाता है। फ्रीलैंड ने रविवार को बयान में कहा, विदेशी खरीदार प्रतिबंध को बढ़ाकर, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि घरों का उपयोग कनाडाई परिवारों के रहने के लिए घरों के रूप में किया जाए और वे एक सट्टा वित्तीय परिसंपत्ति वर्ग न बनें। विशेषज्ञों ने सवाल किया है कि क्या प्रतिबंध का कनाडा में आवास सामर्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है, क्योंकि आवास बाजार में गैर-कनाडाई लोगों का स्वामित्व अपेक्षाकृत कम है। उदाहरण के लिए, 2020 में, कुछ प्रांतों में गैर-निवासियों के स्वामित्व वाले बाजार की हिस्सेदारी दो से छह प्रतिशत तक मापी गई। 2021 में बी.सी. में केवल 1.1 प्रतिशत रही। इस दौरान घरों की बिक्री में 1 प्रतिशत तक विदेशी खरीददार शामिल थे। घर खरीदने के नियमों में और भी छूट दी गई है जो चार या अधिक आवासों वाले या कुछ कम आबादी वाले क्षेत्रों में इमारतों की खरीद की अनुमति देती है।

चाय पर घर नहीं आया पति, महिला ने वीडियो कॉल कर उसके सामने ही कर ली खुदकुशी

नेशनल डेस्क= एक डॉक्टर से विवाहित युवती ने शुक्रवार देर शाम अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की, क्योंकि उसके पति ने चाय के लिए घर आने में असमर्थता जताई थी। भायली इलाके में 28 वर्षीय महिला ने घर में फांसी लगाने की कोशिश करने से पहले अपने पति को वीडियो कॉल किया। पुलिस के मुताबिक, महिला ने शुक्रवार शाम को अपने पति को फोन कर चाय के लिए घर आने को कहा था। पति ने कहा कि वह घर नहीं आ सकता क्योंकि वह बहुत बिजी है बस इस बात से नाराज हुई पत्नी ने घर में आत्महत्या का प्रयास किया। मामला वडोदरा का जहां के तालुका पुलिस स्टेशन के पुलिस उप-निरीक्षक जेयू गोहिल ने कहा कि पति ने पुलिस को बताया कि जब उसने अपनी पत्नी से कहा कि वह घर नहीं आएगा, तो पत्नी ने उसे वीडियो कॉल किया, जहां उसने उसे बताया कि वह अपनी जिंदगी खत्म कर लेगी। गोहिल ने कहा, महिला ने अपने पति को एक दुपट्टा दिखाया, जिसका इस्तेमाल वह फांसी लगाने के लिए करेगी। डॉक्टर तुरंत घर पहुंचे जहां उन्होंने अपनी पत्नी को फंदे पर लटका देखा और उसे नीचे उतारा। वह उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गया। घटना के संबंध में पुलिस को भी सूचित किया गया और जांच शुरू करने के लिए स्टेशन डायरी में प्रविष्टि की गई। गोहिल ने कहा कि महिला का बयान दर्ज करने के बाद ही आगे की जानकारी सामने आएगी। हालांकि महिला अभी भी अस्पताल में भर्ती है। उसके माता-पिता ने पुलिस से बात की है और कोई शिकायत नहीं दी है।

8 मिनट में मर्डर- सरकारी ऑफिसर प्रथिमा की मौत के मामले में चौंकाने वाले खुलासे

बेंगलुरु= कर्नाटक सरकार में खान एवं भूविज्ञान विभाग में उपनिदेशक रहीं प्रतिमा हत्याकांड में पुलिस ने तीन महीने की जांच के बाद आरोपपत्र दाखिल कर दिया है. पुलिस ने 70 गवाहों के बयानों के साथ 600 पन्नों का दस्तावेज़ जमा किया है। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल टावर लोकेशन और अन्य सहित कई सबूतों को ध्यान में रखा है। पुलिस ने जघन्य अपराध के आसपास की घटनाओं का विवरण दिया है और आरोप पत्र में कथित तैयारीकर्ता किरण को शामिल किया है। आरोपी किरण ने बदला लेने के लिए हत्या की योजना बनाई आरोपपत्र से पता चलता है कि आरोपी किरण, मृतक प्रतिमा से अपने कार ड्राइवर के रूप में बर्खास्त करने से नाराज था। आरोपी किरण पिछले दो साल से प्रतिमा की आधिकारिक कार ड्राइवर के रूप में काम करता था। उसने लापरवाही से गाड़ी चलाने के लिए उसे कई बार डांटा था। तंग आकर उसने वारदात से कुछ दिन पहले ही उसे नौकरी से हटा दिया। किरण ने प्रतिमा से उसे बहाल करने की गुहार लगाई थी लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। आरोपी प्रथिमा से इतना नाराज था और बदला लेना चाहता था. **8 मिनट में हत्या** पिछले साल 4 नवंबर की रात को किरण बेंगलुरु के डोड्डाकलासंद्रा स्थित अपने घर प्रथिमा के लौटने का इंतजार कर रहा था। जासे ही वह घर में दाखिल हुई, तो उसने उसका पीछा किया और उसे अपनी नौकरी देने की मांग दोहराई। जब प्रथिमा ने इनकार कर दिया, तो आरोपी ने उसे मारने के लिए उसके कपड़े और फिर चाकू का इस्तेमाल किया। इसके बाद वह सोने के आभूषण और 5 लाख रुपये की नकदी लेकर फरार हो गया. पुलिस ने अपनी चार्जशीट में कहा कि किरण ने मौके से भागने से पहले सिर्फ आठ मिनट में प्रथिमा की हत्या कर दी। आरोपी ने पैसे अपने एक दोस्त को दे दिए और अपने दो दोस्तों के साथ चामराजनगर जिले के माले महादेश्वरा पहाड़ियों में भाग गया। सुब्रमण्यपुरा पुलिस ने उसके मोबाइल लोकेशन को ट्रैक किया और माले महादेश्वरा हिल्स से उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है. पुलिस को 5 नवंबर को प्रतिमा का शव उनके घर पर मिला था।

कश्मीर की बच्चियों ने बर्फबारी पर की जबरदस्त रिपोर्टिंग

नेशनल डेस्क= सोशल मीडिया पर आए दिन तरह-तरह के वीडियो वायरल होते रहते है। ऐसे में खुद को पब्लिक के सामने फेमस करने के लिए लोगों ने व्लॉग बनाना शुरू कर दिया है वहीं इस बीच दो कश्मीर के नन्हीं बच्चियों का भी एक ऐसा ही दिल जीत लेने वाला वीडियो सामने आया है। जिसमें उन्होंने कश्मीर की वादियों में हो रही बर्फबारी को लेकर जबरदस्त एंकरिंग जिसे देख आप भी इनसे प्यार हो जाएगा। दरअसल, कश्मीर की इन दो बच्चियों का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में बच्चियां बर्फबारी होने पर अपनी खुशी जाहिर करती नजर आ रही है। वीडियो में एक बच्ची कहती नजर आ रही है कि अल्लाह ने उनकी दुआओं को कबूल कर दिया और बर्फबारी करवा दी है। बच्चियों ने बताया कि बर्फबारी के बाद उन्हें जन्नत का एहसास हो रहा है वह खूब एंज्वॉय कर रही है। इसी बीच बच्चियों से मां पूछती है कि कैसा लग रहा है, ठंड नहीं लग रही है. इस पर बच्ची कह रही है, बहुत मजा रहा है, सर्दी तो लोग रही है लेकिन एन्जॉय भी तो करना है ना। बर्फ में तो बहुत मजा आता है, बर्फ से हमारे कश्मीर की रौनक बढ़ जाती है।

शर्मनाक - पहले किया प्रपोज, फिर दी धमकी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ने किया छात्रा से रेप

नेशनल डेस्क= यूपी के इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से शर्मनाक मामला सामने आया है। थर्ड ईयर की पढ़ाई कर रही कर रही की एक छात्रा ने अपने असिस्टेंट प्रोफेसर पर रेप के आरोप लगाए हैं। इस मामले को लेकर पुलिस ने कहा कि रविवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर पर छात्रा के साथ बलात्कार करने का केस दर्ज किया गया है। वहीं, आरोपी की पहचान अजय कुमार सागर के तौर पर हुई है। वो प्राचीन विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर काम करता है। पुलिस ने बताया कि आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ कर्नलगंज पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। कर्नलगंज राजीव कुमार यादव ने बताया कि छात्रा ने आरोप लगाया कि अजय सागर ने उसे पहले कथित तौर पर प्रपोज किया था, जिसे उसने ठुकरा दिया। एसीपी यादव ने कहा, इसके बावजूद प्राचीन इतिहास विभाग के शिक्षक उसे फोन और मैसेज करते थे। पुलिस ने एफआईआर का हवाला देते हुए बताया कि 15 जनवरी को टीचर ने छात्रा को मम्फोर्डगंज के एक पार्क में बुलाया और धमकी दी कि वह आत्महत्या कर लेगा। घटना से जुड़ा एक वीडियो और शिकायत वाला लेटर सामने आया है। वीडियो में पीड़िता कह रही है, प्राचीन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अजय कुमार सागर ने मेरे साथ जबरन यौन उत्पीड़न किया है. मुझे धमकी दी कि अगर मैंने किसी को बताया तो मेरे लिए अच्छा नहीं होगा. मैंने पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की लेकिन मुझे तीन-चार दिनों तक घुमाया गया। छात्रा ने यूनिवर्सिटी के विभागाध्यक्ष को लेटर में लिखा है, सेकेंड ईयर में अजय कुमार ने मुझे प्रेम प्रस्ताव दिया था जिसे मैंने मना कर दिया। लेकिन वो तब भी मैसेज और कॉल करते थे। उन्होंने मुझे इमोशनल ब्लैकमेल किया और बताया कि उन्हें कैंसर है। 15 जनवरी की शाम को उन्होंने एक पार्क में बुलाया। जब मैंने जाने के लिए मना किया तो उन्होंने आत्महत्या करने की धमकी दी।

चिली : जंगल की आग घनी आबादी वाले इलाके में फैलने से कम से कम 64 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क = चिली के जंगलों में लगी भीषण आग के घनी आबादी वाले इलाके में फैलने से होने वाली मौतों का आंकड़ा 64 पर पहुंच गया। चिली के मध्य क्षेत्र के जंगल में दो दिन पहले लगी भीषण आग से रविवार को अग्निशमन विभाग के कर्मियों को काफी जूझना पड़ा। प्रशासन ने आग से गंभीर रूप से प्रभावित कई शहरों में कर्फ्यू लगा दिया है। विना डेल मार शहर के आसपास आग सबसे अधिक तीव्रता से जल रही है, जहां 1931 में स्थापित एक प्रसिद्ध वनस्पति उद्यान रविवार को आग की लपटों में जलकर नष्ट हो गया। आग के कारण कम से कम 1,600 लोग बेघर हो गए हैं। विना डेल मार के पूर्वी क्षेत्र के कई इलाके आग की लपटों और धुएं से घिर गए हैं, जिससे कुछ लोग अपने घरों में फंस गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि विना डेल मार और आसपास के इलाके में करीब 200 लोगों के लापता होने की खबर है। करीब तीन लाख की आबादी वाला विना डेल मार शहर एक लोकप्रिय समुद्र तट रिसॉर्ट है और यहां दक्षिणी गोलार्द्ध की गर्मियों के दौरान एक प्रसिद्ध संगीत समारोह भी आयोजित होता है। देश के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि आग के कारण मृतक संख्या और बढ़ने की आशंका है, क्योंकि वालपराइसो क्षेत्र में चार स्थानों पर भीषण आग लगी है और दमकलकर्मियों को अत्यधिक खतरे वाले इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। बोरिक ने चिलीवासियों से बचावकर्मियों के साथ सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा, ''यदि आपको इलाका खाली करने के लिए कहा जाता है तो ऐसा करने में संकोच न करें। आग तेजी से फैल रही है और जलवायु परिस्थितियों के कारण उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया है। तापमान उच्च है, हवा तेज चल रही है और आर्द्रता कम है। चिली की गृह मंत्री कैरोलिना तोहा ने शनिवार को बताया कि देश के मध्य और दक्षिण के 92 जंगल आग की चपेट में हैं, जहां इस सप्ताह तापमान असामान्य रूप से अधिक रहा है। वालपराइसो क्षेत्र में सबसे भीषण आग लगने के कारण प्राधिकारियों ने लोगों से अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया। वालपराइसो क्षेत्र में तीन आश्रय शिविर बनाए गये हैं। तोहा ने बताया कि बचाव दल सबसे अधिक प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए अब भी संघर्ष कर रहे हैं। तोहा ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए 19 हेलीकॉप्टर और 450 से अधिक दमकल कर्मियों को क्षेत्र में तैनात किया गया है।

रूस के नियंत्रण वाले यूक्रेन के हिस्से में हुए हमले में कम से कम 28 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क = रूस के नियंत्रण वाले लिसिचांस्क शहर में एक बेकरी पर किये गए यूक्रेन के हमले में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई। रूसी अधिकरियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय नेता लियोनिड पेस्कनिक ने 'टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि शनिवार को हुए इस हमले में मारे गए लोगों में एक बच्चा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आपात सेवा कर्मियों ने मलबे के अंदर से 10 लोगों को बाहर निकाला है। वहीं, कीव में यूक्रेन के अधिकारियों ने इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569